आश्विन शुक्ल - 1 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 60 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 22-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 युवा नशे की लत से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें : माझी

6 अनंत रूपा और अनंतसामर्थ्य संपन्ना शक्ति

7 इंसानियत को कभी नहीं भूलना शाहरुख की सबसे बेहतरीन बात : बॉबी देओल

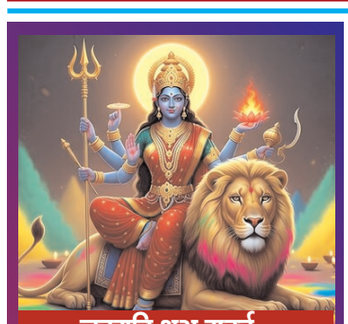

नवरात्रि शुभ मुहूर्त

आसोज सुदी प्रतिपदा सोमवार दिनांक 22 सितम्बर को नवरात्रि उत्सव प्रारंभ हो रहा है। इस बार यह 10 दिन गुरुवार 2 अक्टूबर तक चलेगा। नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना का विधान है। घट स्थापना करने से देवी मां प्रसन्न होती हैं। धार्मिक मान्यता अनुसार कलश में ब्रह्मा, विष्णु, महेश और मातृगण का निवास बताया गया है। मां की पूजा के समय घट स्थापना करने से जातक को शुभ परिणामों की प्राप्ति होती है। नवरात्रि के पहले दिन शुभ संयोग व अच्छे मुहूर्त में कलश स्थापना करनी चाहिए। घट स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त प्रातः 6.08 बजे से 7.30 बजे तक अमृत वेला, दिन में 9.10 बजे से 10.41 बजे तक शुभ वेला, श्रेष्ठ रहेगा। इस बार माताजी का आगमन हाथी पर हो रहा है, जो अति शुभ माना जाता है। मां के विशेष मन्त्र...

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे....

का जाप करना बहुत शुभ माना गया है।

- पंडित जगदीश आचार्य, बेंगलूरु
फोन : 9448417398

फर्स्ट टेक

सात युद्ध समाप्त कराने के लिए नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को व्यापार के माध्यम से सुलझाने का एक बार फिर दावा किया और कहा कि उन्हें ''सात युद्धों को समाप्त कराने'' के लिए नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में 'रात को देर तक चली' वार्ताओं के बाद भारत-पाकिस्तान 'पूर्ण और तत्काल' संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। तब से आज तक विभिन्न अवसरों पर ट्रंप अपनी कथित मध्यस्थता के दावे को 40 से अधिक बार दोहरा चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को 'सुलझाने में मदद की' है। भारत ने हमेशा किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार किया है। ट्रंप ने शनिवार को 'अमेरिकन कॉर्नरस्टोन इंस्टिट्यूट फाउंडर्स डिनर' के वार्षिक कार्यक्रम में कहा, वैश्विक मंच पर हम एक बार फिर ऐसे काम कर रहे हैं, जिससे हमें उस स्तर का सम्मान मिल रहा है, जो पहले कभी नहीं मिला। हम शांति समझौते करा रहे हैं और युद्ध रोक रहे हैं।

21-09-2025 सूर्यास्त 6:05 बजे	22-09-2025 सूर्योदय 5:58 बजे
BSE 82,626.23 (-387.73)	NSE 25,327.05 (-96.55)
सोना 11,525 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 144,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बिफरा ट्रम्प

हो जाओ सारे सावधान,
डोनाल्ड ट्रम्प की बानी से।
कैसे बच पाएगा भारत,
इस चक्रवात तूफानी से।
घबराना मत हरगिज़ कोई
अमरीका की मनमानी से।
तन मन धन से सब मिल जायें,
लड़ लेंगे फिर आसानी से।।

हर घर को स्वदेशी का प्रतीक बनाना होगा : प्रधानमंत्री मोदी

जीएसटी सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि विकास की दौड़ में सभी राज्य समान हितधारक होंगे।
- ये सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे, कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे।

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी दरों में कटौती लागू होने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे, कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे। मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि के पहले दिन से 'जीएसटी बचत उत्सव' शुरू होगा और आयकर छूट के साथ यह ज्यादातर लोगों के लिए ''दोहरा लाभ'' होगा।

संशोधित जीएसटी दरों के लागू होने की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वदेशी देश की समृद्धि को उसी तरह मजबूती देगा, जिस तरह इसने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को शक्ति दी थी। उन्होंने कहा, हमें हर घर को स्वदेशी का प्रतीक बनाना होगा। हमें हर दुकान को स्वदेशी (सामान) से सजाना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि विकास की दौड़ में सभी राज्य समान हितधारक होंगे। उन्होंने राज्यों से 'आत्मनिर्भर भारत' और स्वदेशी अभियानों को ध्यान में रखते हुए विनिर्माण को गति देने का आग्रह किया। मोदी ने कहा, नवरात्रि के पहले दिन, देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। कल सूर्योदय के साथ, अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू हो जाएंगे। कल से 'जीएसटी बचत उत्सव' शुरू होगा। उन्होंने आगे कहा, आप अपनी पसंद की वस्तुएं ज्यादा आसानी से खरीद पाएंगे... इससे गरीब, मध्यम वर्ग, नव मध्यम वर्ग, युवा, किसान, महिलाएं, व्यापारी और दुकानदार लाभान्वित होंगे।

मोदी ने कहा कि त्योहारों के इस मौसम में सभी की खुशियां बढ़ेंगी। उन्होंने अगली पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के लिए सभी को बधाई दी। मोदी ने कहा, ये सुधार भारत की वृद्धि गाथा को गति देंगे, कारोबारी सुगमता को बढ़ाएंगे और अधिक निवेशकों को आकर्षित करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भारत ने 2017 में जीएसटी सुधारों की ओर कदम बढ़ाया, तो इतिहास रचने की एक नई शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने 'एक राष्ट्र-एक कर' के सपने को साकार किया। मोदी ने इस बात का उल्लेख भी किया कि कैसे करों और टोल के जाल ने व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए कठिनाइयां पैदा की हैं। उन्होंने 12 लाख रुपए तक की आय पर आयकर छूट और जीएसटी सुधारों का हवाला देते हुए कहा कि यह गरीबों, नव-मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग के लिए दोहरा लाभ है। उन्होंने कहा कि इन दोनों फैसलों से नागरिकों को 2.5 लाख करोड़ रुपए की बचत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जीएसटी सुधारों से छोटे और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को बड़ा लाभ होगा।

केंद्र किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोप रहा : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- भाजपा शासित राज्यों को छोड़ दें तो कई राज्य सरकारें राष्ट्रीय शिक्षा नीति से पहले त्रि-भाषा नीति लागू कर रही हैं।
- भारत की केवल 10 प्रतिशत आबादी अंग्रेजी बोलती है, जबकि बाकी लोग अपनी मातृभाषा में बात करना पसंद करते हैं।

चेन्नई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि केंद्र किसी पर कोई भाषा नहीं थोप रहा है। प्रधान ने उन लोगों को ''राजनीति से प्रेरित'' बताया जो यह दावा करते हैं कि केंद्र, राज्यों पर त्रि-भाषा नीति थोप रहा है। उन्होंने कहा, ''हम किसी पर कोई भाषा नहीं थोप रहे हैं। कक्षा पहली और दूसरी के लिए द्वि-भाषा का फॉर्मूला होगा। एक मातृभाषा होगी। यहां तमिल भाषा होगी। भारत सरकार की शर्त है कि आपको प्राथमिक विद्यालय में तमिल में पढ़ाना होगा। आप अपनी पसंद की कोई अन्य भाषा पढ़ा सकते हैं।'' 'प्रधान थिंक इंडिया दक्षिणापथ शिखर सम्मेलन 2025' में शामिल होने के बाद आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी कामकोटि की मौजूदगी में पत्रकारों से बात कर रहे थे। त्रि-भाषा नीति के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि कक्षा छठी से दसवीं तक त्रि-भाषा फार्मूला लागू है। उन्होंने कहा, एक भाषा मातृभाषा होगी। बाकी दो आपकी पसंद की होंगी। भारत सरकार किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपेगी।

उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में त्रि-भाषा नीति कैसे लागू की जा रही है, इस बारे में पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा, ''हम उस राज्य में भी इसे लागू कर रहे हैं। भाजपा शासित राज्यों को छोड़ दें तो कई राज्य सरकारें राष्ट्रीय शिक्षा नीति से पहले त्रि-भाषा नीति लागू कर रही हैं।'' प्रधान ने कहा, ''उत्तर प्रदेश में छात्र हिंदी को मातृभाषा के रूप में सीखेंगे। इसके बाद, वे मराठी और तमिल भी सीख सकते हैं। उत्तर प्रदेश में कुछ छात्र तमिल को तीसरी भाषा के रूप में चुन सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार को तमिल पढ़ाने की सुविधा प्रदान करनी होगी।'' उन्होंने कहा कि भारत की केवल 10 प्रतिशत आबादी अंग्रेजी बोलती है, जबकि बाकी लोग अपनी मातृभाषा में बात करना पसंद करते हैं।

प्रधान ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि वह तेलुगु भाषी छात्रों को 10 भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, ताकि प्रत्येक तेलुगु लड़का वैश्विक स्तर पर 'प्रतिस्पर्धी' बन सके और वे विभिन्न भाषाओं में निपुण हो सकें। उन्होंने कहा, ''भाषा हमेशा एक साधन होती है।

नशा मुक्त भारत 'नमो युवा दौड़' का मुख्य संदेश : तेजस्वी सूर्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रमुख एवं लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रव्यापी युवा दौड़ से सबसे महत्वपूर्ण संदेश 'नशा मुक्त भारत' का रहा। प्रधानमंत्री मोदी 17 सितंबर को 75 वर्ष के हो गए।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राज्य मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, सूर्या और फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन ने रविवार सुबह मुंबई में दौड़ को हरी झंडी दिखाई।

सूर्या ने संवाददाताओं को बताया कि भाजपा युवा मोर्चा ने देशभर में 75 स्थानों पर 'नमो युवा दौड़' का आयोजन किया, जिसमें 10 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया।

सूर्या ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर हम देश के युवाओं को नशा-मुक्त भारत का सबसे बड़ा संदेश दे सकते हैं। उन्होंने कहा, यह अब तक का सबसे बड़ा आयोजन है। मैं इस दौड़ में भाग लेने वाले युवाओं का आभार व्यक्त करता हूं।

सूर्या ने 'रन एम्बेसडर' के रूप में काम करने वाले अभिनेता मिलिंद सोमन का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं विशेष रूप से मिलिंद सोमन का आभारी हूं कि उन्होंने 'रन एम्बेसडर' बनने के लिए सहमति जताई और हम सभी को प्रेरित किया।

भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। अभिषेक शर्मा के तूफानी अर्धशतक और शुभमन गिल के साथ उनकी शतकीय साझेदारी से भारत ने एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सुपर चार चरण के मैच में रविवार को यहां पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया।

पाकिस्तान के 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अभिषेक (74 रन, 39 गेंद, छह चौके, पांच छक्के) और गिल (47 रन, 28 गेंद, आठ चौके) के बीच पहले विकेट की 105 रन की साझेदारी की बदौलत सात गेंद शेष रहते चार विकेट पर 174 रन बनाकर जीत दर्ज की। तिलक वर्मा ने भी 19 गेंद में दो छक्कों और दो चौकों से नाबाद 30 रन की उम्दा पारी खेली।

पाकिस्तान की ओर से हारिस राऊफ (26 रन पर दो विकेट) और फहीम अशरफ (31 रन पर एक विकेट) ने प्रभावी गेंदबाजी की लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए। लीग मैच की तरह इस बार भी भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया।

पाकिस्तान ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान की 45 गेंद में पांच चौकों और तीन छक्कों से 58 रन की पारी की मदद से पांच विकेट पर 171 रन बनाए। फरहान ने सईम अयूब (21) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी भी की। मोहम्मद नवाज (21) और फहीम अशरफ (नाबाद 20) ने भी उपयोगी पारियां खेली।

भारत की तरफ से शिवम दुबे ने 33 रन देकर दो विकेट चटकाए जबकि हार्दिक पंड्या (29 रन पर एक विकेट) और कुलदीप यादव (31 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट हासिल किया। जसप्रीत बुमराह महंगे साबित हुए और उन्होंने चार ओवर में 45 रन लुटाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को अभिषेक और शुभमन ने तूफानी शुरुआती दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में 69 रन जोड़े। अभिषेक ने शाहीन शाह अफरीदी की पारी की पहली गेंद पर छक्का जड़ा। गिल ने भी अगले ओवर में ऑफ स्पिनर सईम अयूब पर दो चौके मारे।

अभिषेक नौ रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब शाहीन की गेंद पर नवाज उनका मुश्किल कैच लपकने में नाकाम रहे। गिल ने इसी ओवर में दो चौके मारे।

कर्नाटक के हासन में भगवान गणेश की मूर्ति 'अपवित्र' की गई

हासन/भाषा। कर्नाटक के हासन जिले के बेलूर कस्बे स्थित एक मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति पर कथित तौर पर जूता रखकर उसे अपवित्र किए जाने का मामला सामने आया है, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। बताया जा रहा है कि यह घटना शनिवार देर रात की है। सुबह नियमित रूप से मंदिर में पूजा-अर्चना करने आने वाले स्थानीय लोगों ने रविवार को मूर्ति पर जूते रखे देखे। पुलिस ने बताया कि उसने घटना के संबंध में एक महिला को हिरासत में लिया है तथा उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) मोहम्मद सुजीत ने संवाददाताओं को बताया कि आरोपी महिला मानसिक रूप से अस्थिर है और उसकी विस्तृत चिकित्सा जांच भी कराई जाएगी। एसपी ने कहा, ''परिवार के अनुसार, वह घर पर भी इसी तरह की हरकतें करती है और इसकी जांच की जाएगी।

दैनिक उपयोग की वस्तुओं में स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में की गई अपील के अनुरूप, दैनिक उपयोग की वस्तुओं में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया। शाह ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को पूरा करने में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की अहम भूमिका होगी।

गृह मंत्री ने कहा कि राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया और बताया कि कैसे अगली पीढ़ी का जीएसटी आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा।

शाह ने कहा कि विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कृषि, स्वास्थ्य, कपड़ा और 'मैन मेड फाइबर' जैसे क्षेत्रों में जीएसटी कम करने की पहल की गई है।

शाह ने 'जीएसटी बचत उत्सव' हैशटेग के साथ 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की बड़ी भूमिका होने वाली है। मोदी जी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में स्वदेशी अपनाने का आह्वान करते हुए बताया कि कैसे अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी। कृषि, स्वास्थ्य, कपड़ा, 'मैन-मेड फाइबर' जैसे क्षेत्रों में जीएसटी घटाकर विनिर्माण को बढ़ावा देने की पहल की गई है। आप भी अपने दैनिक उपयोग की वस्तुओं में स्वदेशी को अपनाकर हर घर को स्वदेशी का प्रतीक बनाएं और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें।'' जीएसटी दरों में कटौती लागू होने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने की पुरजोर वकालत की।

भारत को भविष्य में आने वाली समस्याओं से बचने के लिए अपना रास्ता खुद बनाना होगा : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

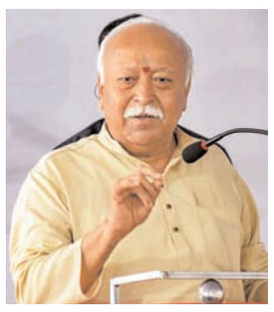

- भारत को जीवन के चार लक्ष्यों - 'अर्थ' (धन), 'काम' (इच्छा और आनंद) और 'मोक्ष' (मुक्ति) के अपने सदियों पुराने दृष्टिकोण का पालन करना चाहिए, जो 'धर्म' से बंधा हो और यह सुनिश्चित करता हो कि कोई भी पीछे न छूटे।

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुल्क और आव्रजन संबंधी अमेरिकी फैसलों की पृष्ठभूमि में रविवार को कहा कि भारत को उभरी स्थिति से बाहर निकलने के लिए जो भी आवश्यक हो वह करना चाहिए, लेकिन उसे भविष्य में ऐसी समस्याओं से खुद को बचाने के लिए विकास और प्रगति के 'सनातन' दृष्टिकोण का पालन करते हुए अपना रास्ता खुद बनाना शुरू करना चाहिए।

यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि भारत सहित विश्व के सामने आज जो समस्याएं हैं, वे पिछले 2000 वर्षों से अपनाई जा रही उस व्यवस्था का परिणाम हैं, जो विकास और सुख की खंडित दृष्टि पर आधारित रही हैं।

उन्होंने कहा, हम इस स्थिति से मुंह नहीं मोड़ सकते। हमें इससे बाहर निकलने के लिए जो भी जरूरी हो, वह करना होगा। लेकिन हम आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकते।

उन्होंने आगे कहा, इसलिए हमें अपना रास्ता खुद बनाना होगा। हम कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेंगे... लेकिन अनिवार्य रूप से, भविष्य में किसी न किसी मोड़ पर हमें इन सब चीजों का फिर से सामना करना पड़ेगा। क्योंकि इस खंडित दृष्टिकोण में एक ओर 'मैं' होता है और दूसरी ओर बाकी दुनिया, या 'हम' और 'वे'।

उन्होंने कहा कि भारत को जीवन के चार लक्ष्यों - 'अर्थ' (धन), 'काम' (इच्छा और आनंद) और 'मोक्ष' (मुक्ति) के अपने सदियों पुराने दृष्टिकोण का पालन करना चाहिए, जो 'धर्म' से बंधा हो और यह सुनिश्चित करता हो कि कोई भी पीछे न छूटे।

तीन साल पहले अमेरिका के एक सज्जन के साथ अपनी मुलाकात को याद करते हुए, भागवत ने उस व्यक्ति का नाम लिए बिना कहा कि उस बातचीत में भारत-अमेरिका साझेदारी और सुरक्षा, आतंकवाद विरोध तथा अर्थव्यवस्था सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई थी, लेकिन हर बार वह यही दोहराते रहे बशर्ते अमेरिकी हित सुरक्षित रहें।

भागवत ने किसी का नाम लिए बिना कहा, हर किसी के अलग-अलग हित हैं... इसलिए संघर्ष जारी रहेगा। लेकिन फिर, सिर्फ राष्ट्र हित ही मायने नहीं रखता। मेरा भी हित है। मैं सब कुछ अपने हाथ में रखना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, खाद्य शृंखला में जो सबसे ऊपर है, वह सबको खा जाएगा, और खाद्य शृंखला में सबसे नीचे रहना अपराध है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि सिर्फ भारत ही है जिसने पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर अपनी सभी प्रतिबद्धताएं पूरी की हैं। उन्होंने कहा, और किसने की? क्योंकि इसकी कोई प्रामाणिकता नहीं है।

उन्होंने कहा, अगर हमें हर टकराव में लड़ना होता, तो हम 1947 से लेकर आज तक लगातार लड़ते रहते। लेकिन हमने यह सब सहन किया। हमने युद्ध नहीं होने दिया। ...हमने कई बार उन लोगों की भी मदद की, जिन्होंने हमारी नीतियों का विरोध किया।

भागवत ने कहा कि यदि भारत विश्वगुरु और विश्वमित्र बनना चाहता है तो उसे अपने दृष्टिकोण के आधार पर अपना रास्ता स्वयं बनाना होगा।

मुख्यमंत्री सैनी ने राज्य की सड़क अवसंरचना को मजबूत करने के लिए नई पहल शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिसार/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को बताया कि राज्य की सड़क अवसंरचना को मजबूत करने की एक नई पहल के तहत सरकार 9,410 किलोमीटर लंबी 4,227 सड़कों की मरम्मत और उन्नयन के लिए 4,827 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

मुख्यमंत्री ने यहां राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में 'प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना' की शुरुआत की और इसे हरियाणा के बुनियादी ढांचे के विकास में ''स्वर्णिम अध्याय'' बताया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की दूरी को कम करेगी, नागरिकों की पहुंच और राज्य की आर्थिक, सामाजिक एवं वाणिज्यिक प्रगति को गति देगी। परियोजना की शुरुआत के साथ ही 410 सड़कों का मरम्मत कार्य रविवार से प्रारंभ किया गया। सैनी ने कहा कि सरकार बुनियादी ढांचे के निर्माण में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी ठेकेदार या अधिकारी की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और यह भी दोहराया कि जनता का धन केवल जनता के हित में ही खर्च होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्मदिन पर दिया गया सम्मान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जीवन सेवा, समर्पण और दृढ़ संकल्प का जीवंत उदाहरण है। मोदी 17 सितंबर को 75 साल के हो गए। इस राज्यव्यापी पहल को शुरू करते हुए सैनी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में देश में सड़क अवसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा, रक्षा गलियारा से लेकर मालवाहक गलियारा तक और भारतमाला से लेकर सागरमाला तक सरकार सड़क, रेल और हवाई पहुंच का विस्तार मिशन मोड में कर रही है।

सैनी ने कहा कि यह परियोजना परिवहन लागत कम करेगी, प्रदूषण घटाएगी, ईंधन की बचत करेगी और उद्योग एवं कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देगी।

संरक्षण प्रयासों के कारण डल झील अधिक स्वच्छ हुई : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि पिछले पांच वर्षों में किए गए संरक्षण प्रयासों के कारण यहां की प्रसिद्ध डल झील साफ हुई है। इसके साथ ही उन्होंने पर्यावरणीय संसाधनों के साथ आर्थिक विकास को समन्वित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उपराज्यपाल ने कहा कि जलाशय के एक-तिहाई से ज़्यादा हिस्से का पुनरुद्धार हो चुका है और इसका खुला क्षेत्र पहली बार 20 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा हो गया है। 'सेवा पर्व' के तहत सिन्हा डल झील सफ़ाई अभियान में शामिल हुए।

उपराज्यपाल ने 'एक्स' पर कहा, सेवा पर्व के तहत, डल झील सफ़ाई अभियान में शामिल हुआ। पिछले पांच वर्षों के दौरान, डल-निगीन झील और इसके जलग्रहण क्षेत्र के संरक्षण का काम मिशन मोड में किया गया है। डल झील साफ हुई है और बड़ी संख्या में घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित कर रही है। उन्होंने कहा कि झील के एक-तिहाई से ज़्यादा हिस्से का पुनरुद्धार किया जा चुका है। उपराज्यपाल ने कहा, बड़े क्षेत्रों से लिली के पौधों को हटा दिया गया है और डल झील का खुला क्षेत्र पहली बार 20.3 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा हो गया है। सिन्हा ने नागरिकों से सामुदायिक भागीदारी के ज़रिए झीलों, नदियों और अन्य जल निकायों के संरक्षण का आह्वान किया। सिन्हा ने नागरिकों से सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से झीलों, नदियों और अन्य जलाशयों के संरक्षण का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमारे प्राकृतिक संसाधन हमें अतीत में की गई गलतियों से सबक सीखने की याद दिला रहे हैं। हमें प्रकृति के नाज़ुक संतुलन का सम्मान करना चाहिए और अपनी झीलों और नदियों को साफ़ करने के लिए ठोस प्रयास करने चाहिए। उपराज्यपाल ने आर्थिक विकास को पर्यावरणीय संसाधनों के साथ समन्वित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, विकास एकतरफ़ा नहीं हो सकता। अतिक्रमण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अत्यधिक दोहन हमारी नदियों और झीलों के लिए एक बड़ा खतरा बन रहे हैं। प्राकृतिक संसाधनों के तेज़ी से घटते स्तर और हमारी पारिस्थितिकी के क्षरण जैसी प्रमुख चुनौतियों का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सिन्हा ने कहा कि आर्थिक विकास और पारिस्थितिक अखंडता को सरकारी नीति में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि झीलें और नदियां मानवता के लिए आवश्यक जीवनरेखा हैं और नागरिकों को सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से इनका संरक्षण करना चाहिए। सिन्हा ने कहा कि झील संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एलसीएमए) द्वारा शुरू की गई अनेक परियोजनाएं भी डल निवासियों के जीवन में बदलाव ला रही हैं।

टिकाऊ स्टार्टअप के लिए उद्योग संपर्क, निजी क्षेत्र की भागीदारी अनिवार्य : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। भारत के टिकाऊ स्टार्टअप और आर्थिक वृद्धि के लिए उद्योग संपर्क और निजी क्षेत्र की भागीदारी महत्वपूर्ण है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को यह बात कही।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह ने यहां 'लीड इम्पैक्ट कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने और भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है।

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप आजीविका के एक आकर्षक और स्थायी स्रोत के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा, 1.70 लाख स्टार्टअप के साथ, भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है। इनमें से लगभग 60,000 स्टार्टअप महिलाओं द्वारा संचालित हैं, जो सफल कृषि उद्यमी बन गई हैं।

मंत्री ने प्रासंगिक क्षेत्रों में उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने आने वाले वर्षों में प्रासंगिक विषयों पर शोध की वकालत करते हुए कहा कि अगली क्रांति जैव-चालित होगी। उन्होंने कहा कि दुनिया आने वाले समय में भारत से नेतृत्व की भूमिका निभाने की उम्मीद कर रही है।

हिसार एयर शो में वायुसेना की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने लोगों को मंत्रमुग्ध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिसार (हरियाणा)/भाषा। भारतीय वायु सेना की विशिष्ट सूर्य किरण टीम ने रविवार को हिसार के महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा परिसर में आयोजित एयर शो के दौरान अपने कुशल हवाई करतबों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिसार और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग, सेना छावनी के अधिकारी और सैनिक, उनके परिवार, आर्मी पब्लिक स्कूल और राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्र इस प्रदर्शन के साक्षी बने। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह एयर शो युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

सैनी ने कहा कि इस शो ने अनुशासन, टीम को साथ लेकर चलने की भावना और अटूट देशभक्ति का एक सशक्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सूर्य किरण एयरोबैटिक टीम के प्रत्येक करतब ने 'सदैव सर्वोत्तम' के आदर्श वाक्य की भावना को प्रतिबिंबित किया।

मप्र के अनूपपुर के पास मालगाड़ी के 3 डिब्बे पटरी से उतरे, कोई हताहत नहीं

अनूपपुर (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा रेलवे स्टेशन के पास शनिवार देर रात एक मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। रेलवे के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विलासपुर मुख्यालय वाले दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन में हुए इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है और रविवार सुबह तक रेल यातायात के लिए मार्ग बहाल कर दिया गया। राज्य परिवहन एवं राजमार्ग अनुसंधान परिषद (एसईसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) विपुल भास्कर ने रविवार सुबह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि रात करीब 11.30 बजे पटरी से उतरने की घटना के बाद दो घंटे में अप और डाउन लाइनों पर यातायात बहाल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि लूप लाइन को बहाल करने का काम जारी है। एसईसीआर के बिलासपुर मंडल के प्रचार निरीक्षक अंबिकेश साहू ने कहा कि दुर्घटना कोटमा स्टेशन से लगभग 100 मीटर की दूरी पर हुई, जब मालगाड़ी कोयला लोडिंग के लिए गोविंदा साइडिंग की ओर जा रही थी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर रेलवे की एक टीम मौके पर पहुंच गई। साहू ने कहा, ट्रेन के पटरी से उतरने के कारणों की रेलवे प्रशासन जांच कर रहा है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कभी मुकदमेबाजी का विकल्प रही मध्यस्थता अब विलंब से ग्रस्त है: न्यायमूर्ति सूर्यकांत

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने रविवार को मध्यस्थता मामलों में देरी के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि कभी मुकदमेबाजी का त्वरित विकल्प मानी जाने वाली मध्यस्थता प्रणाली आज समय सीमाएं निर्धारित किए जाने और अत्यधिक स्थगन के कारण प्रभावित हुई है। मध्यस्थता निर्णयों में गुणवत्ता और एकरूपता का मुद्दा भी उठाने वाले न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि भारत एक पसंदीदा वैश्विक केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है, इसलिए अपेक्षा केवल यह नहीं है कि कोई निर्णय न्यायिक पड़ताल में खरा उतरेगा या नहीं, बल्कि यह अपेक्षा भी की जाती है कि उनमें तर्क व निष्पक्षता का ऐसा मानक प्रतिबिंबित होना चाहिए, जिसका विश्व स्तर पर सम्मान हो।

न्यायमूर्ति कांत उच्चतम न्यायालय, दिल्ली उच्च न्यायालय और दिल्ली अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दिल्ली मध्यस्थता सप्ताहांत के तीसरे संस्करण के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में समापन भाषण दे रहे थे। उन्होंने कहा, भले ही हमारा न्यायशास्त्र परिपक्व हो गया है, फिर भी समकालीन चुनौतियां बनी हुई हैं, जिनमें से पहली, मेरे विचार से, विलंब है। मध्यस्थता की कल्पना मूलतः मुकदमेबाजी के एक त्वरित विकल्प के रूप में की गई थी।

जम्मू-कश्मीर में पर्यटन और खेल क्षेत्रों के विकास के लिए शांति आवश्यक : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि इस केंद्र शासित प्रदेश में विकास और पर्यटन तथा खेल क्षेत्रों की बेहतरी के लिए शांति एक बुनियादी शर्त है।

अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों से कहा, विकास, पर्यटन या खेल... हमें हर चीज के लिए शांति चाहिए। अगर हम दिन-रात के मैच कराने की बात करते हैं और स्थिति ठीक नहीं है, तो कौन खेलने आएगा?

उन्होंने यहां रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब की जर्सी का विमोचन किया। उन्होंने कहा, शांति हर चीज का आधार है। आज के कार्यक्रम, यानी जर्सी विमोचन कार्यक्रम का संदेश भी शांति ही है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा था कि जम्मू-कश्मीर में विकास के लिए शांति आवश्यक है।

सिन्हा ने यह भी कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद अब भी मौजूद है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि शांति स्थापित करने की जिम्मेदारी उन पर नहीं है और उन्होंने जोर देकर कहा कि जो लोग जिम्मेदार हैं, उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

विधायक न होने के बावजूद मुझे 20 करोड़ रुपए का कोष मिला: शिवसेना नेता सरवणकर

मुंबई/भाषा। शिवसेना के पूर्व विधायक सदा सरवणकर ने कहा है कि विधायक न होने के बावजूद उन्हें 20 करोड़ रुपए का कोष मिला, जबकि मौजूदा विधायक को दो करोड़ रुपए मिलते हैं। एक वायरल वीडियो में सरवणकर को लोगों से कहते सुना जा सकता है, वर्तमान विधायक को दो करोड़ रुपए मिलते हैं, लेकिन जब मैं विधायक नहीं हूं तब भी मुझे 20 करोड़ रुपए मिलते हैं। सिद्धिविनायक ट्रस्ट के प्रमुख सरवणकर 2024 के महाराष्ट्र विस चुनाव में शिवसेना (उबाठा) के महेश सावंत से हार गए थे। सरवणकर ने कहा कि वह दादर-माहिम निर्वाचन क्षेत्र के लिए जुटाए गए धन की बात कर रहे थे, जबकि सावंत ने धन की कमी की शिकायत की। सरवणकर पार्टी के उन 39 विधायकों में शामिल थे, जिन्होंने 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विद्रोह किया था।

30 सितंबर तक एसआईआर लागू करने के लिए तैयार रहें राज्य निर्वाचन अधिकारी: : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए तैयार रहने को कहा है। आयोग का यह निर्देश इस बात का संकेत है कि अक्टूबर-नवंबर की शुरुआत में मतदाता सूची को दुरुस्त करने का काम शुरू हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के एक सम्मेलन में आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें अगले 10 से 15 दिनों में विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए तैयार रहने को कहा था। हालांकि अधिक स्पष्टता के लिए 30 सितंबर की समय सीमा तय की गई थी।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित अपने राज्यों की मतदाता सूची तैयार रखें। कई राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूचियां पहले ही अपनी वेबसाइटों पर डाल दी हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची उपलब्ध है, जब अंतिम गहन पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। राज्यों में अंतिम एसआईआर ही 'कट-ऑफ' तिथि होगी, ठीक उसी तरह जैसे बिहार की 2003 की मतदाता सूची का उपयोग आयोग गहन पुनरीक्षण के लिए कर रहा है।

एकनाथ शिंदे का 'एक्स' अकाउंट हैक, कांग्रेस नेता ने साइबर सुरक्षा पर उठाया प्रश्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के 'एक्स' खाते को रविवार को हैक कर लिया गया और उसपर पाकिस्तान तथा तुर्किये के झंडे वाली तस्वीरें पोस्ट की गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हालांकि 45 मिनट के बाद खाते पर नियंत्रण हासिल कर लिया गया।

महाराष्ट्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता नाना पटोले ने साइबर सुरक्षा पर सवाल उठाए और मांग की कि राज्य का गृह विभाग लोगों को ऐसे खतरों से बचाने के लिए स्पष्ट जवाब उपलब्ध कराए। हैकर्स ने शिंदे के खाते से दो इस्लामिक देशों की तस्वीरें ऐसे वक्त पोस्ट की हैं जब भारत और पाकिस्तान एशिया कप में अपना दूसरा मैच खेलने वाले हैं। अधिकारी ने कहा, हमने तुरंत साइबर अपराध पुलिस को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खाते को ठीक करने में 30 से 45 मिनट का समय लगा। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के पूर्व अध्यक्ष पटोले ने कहा कि यह घटना चौंकाने वाली है और राज्य के साइबर सुरक्षा ढांचे पर सवाल उठाती है। उन्होंने कहा कि हैकिंग प्रकरण पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है, विशेष रूप से जेन-जेड आबादी से और उन्होंने प्रश्न किया कि यदि वरिष्ठ मंत्रियों के सोशल मीडिया खाते सुरक्षित नहीं हैं तो आम नागरिकों की ऑनलाइन सुरक्षा की क्या गारंटी है? कांग्रेस विधायक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इसने राज्य के गृह विभाग को भी सुर्खियों में ला दिया है, आलोचकों ने पूछा है कि जिम्मेदारी कौन लेगा और नागरिकों के डिजिटल डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या ठोस तंत्र मौजूद है।

निजी कंपनियों के पास पूंजी है, उन्हें निवेश करना चाहिए : ईएसी-पीएम

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने रविवार को कहा कि निजी कंपनियों के पास बहुत पूंजी है और अब उन्हें भारत की वृद्धि यात्रा में निवेश करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निवेश और निर्यात देश की आर्थिक वृद्धि को गति देंगे। देव ने आगे कहा कि रोजगार की गुणवत्ता एक मुद्दा है, इसलिए सरकार औपचारिक क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने 'एवरीथिंग ऑल एट वन्स' नामक एक किताब के विमोचन समारोह में कहा, निवेश और निर्यात वृद्धि को गति देंगे... निजी क्षेत्र के पास बहुत पूंजी है। अब उन्हें भारत की वृद्धि यात्रा में निवेश करना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक हालिया लेख के अनुसार, मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद और नीतिगत दरों में एक प्रतिशत की कटौती के कारण, निजी क्षेत्र का पूंजी निवेश 2025-26 में 21.5 प्रतिशत बढ़कर 2.67 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

गोवा के एक गांव में हाथी ने बनाया अड्डा, ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

परनेम (गोवा)/भाषा। गोवा स्थित एक शांत गांव में पिछले चार दिन से ओमकार नाम का 10 वर्षीय हाथी फसलों को बरबाद कर रहा है जिससे वहां भय और चिंता का माहौल है।

अपने पांच सदस्यों के झुंड से अलग होकर ओमकार महाराष्ट्र की सीमा से गोवा में प्रवेश कर गया और तब से परनेम तालुका के ताम्बोक्सम के हरे-भरे धान के खेतों में चारा खोज रहा है।

ग्रामीण लोग गोवा के जंगलों में ओमकार को उसके परिवार के साथ फिर से मिलाने का रास्ता खोजने के लिए संघर्ष कर रहे है।

तैयार हो चुकी फसलों के बीच चरते हुए इस युवा हाथी को देखकर ग्रामीणों में चिंता की स्थिति पैदा हो गई है। ग्रामीणों को डर है कि ओमकार जल्द ही उनके घरों में घुस सकता है। गोवा के वन संरक्षक (वन्यजीव) नवीन कुमार ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हाथी का अपने परिवार से संपर्क टूट गया जिसके बाद वह भटक गया।

उन्होंने उन स्थानों का निरीक्षण किया जहां ओमकार गांव में आने के बाद घूम रहा था। निरीक्षण के बाद नवीन कुमार ने कहा, हाथी को उसके परिवार से मिलाने के लिए कर्नाटक के वन अधिकारियों से मदद ली जाएगी।

वन विभाग के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हाथी गणेश और बाहुबली तथा तीन बच्चों समेत झुंड के बाकी सदस्य संभवतः महाराष्ट्र के डोडामार्ग के जंगलों में घूम रहे हैं और यह जंगल ताम्बोक्सम से 20 किलोमीटर दूर है। फ़िलहाल, ओमकार ने ताम्बोक्सम को अपना अस्थायी घर बना लिया है। वन विभाग ने विशालकाय जानवर पर नज़र रखने और रिहायशी इलाकों में किसी भी तरह उसके प्रवेश को रोकने के लिए गांव के किनारे एक शिविर लगाया है।

स्थानीय पंचायत सदस्य दयानंद गवंडी ने कहा, हाथी गांव में ही है और धान के खेत घरों से ज्यादा दूर नहीं हैं। गांव और धान के खेतों को एक छोटी सी नदी अलग करती है, जो ओमकार के लिए लक्ष्मण रेखा बन गई है।

लेकिन सुरक्षा की अदृश्य रेखा नाज़ुक लगती है। गांव वाले हमेशा इस डर में रहते हैं कि कहीं ओमकार कोई नुकसान न पहुंचा दे।

गोवा के वन मंत्री विश्वजीत राणे ने बेंगलूरू में कर्नाटक के अपने समकक्ष ईश्वर खांड्रे से मुलाकात के बाद पुष्टि की कि फसल को नुकसान पहुंचाने वाले ओमकार के पुनर्वास के लिए पड़ोसी राज्य से सहायता मांगी जा रही है।

जीएसटी कटौती : साबुन, पाउडर, कॉफी, डायपर, बिस्कुट, घी, तेल सस्ते होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रोजमर्रा की जरूरतों का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनियों ने जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को देने के लिए अपने उत्पादों की कीमतों में कटौती की है। ऐसे में सोमवार से साबुन, पाउडर, कॉफी, डायपर, बिस्कुट, घी और तेल जैसी दैनिक जरूरत की वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। इस कदम से आगामी त्योहारी सत्र, जो नवरात्रि के साथ शुरू होता है, के दौरान खपत में वृद्धि और बिक्री में उछाल आने की उम्मीद है।

एफएमसीजी कंपनियों ने जीएसटी 2.0 के लाभों को बिना किसी देरी के उपभोक्ताओं तक पहुंचाया है। इन कंपनियों ने 22 सितंबर से साबुन, शैम्पू, बेबी डायपर, मंजन, रेजर और आफ्टर-शेव लोशन सहित अपने उत्पादों की अधिकतम खुदरा मूल्य की संशोधित सूची जारी की है। इसका मकसद उपभोक्ताओं को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती का लाभ देना है। प्रॉक्टर एंड गैंबल, इमामी और एचयूएल जैसी कंपनियों ने नई मूल्य सूची जारी की हैं। इसके बारे में कंपनियों की वेबसाइट के माध्यम से उनके संबंधित वितरकों और उपभोक्ताओं को सूचित किया गया है। प्रॉक्टर एंड गैंबल ने अपने उत्पादों की एक संशोधित सूची जारी की है। इसमें उसने विक्स, हेड एंड शोल्डर्स, पैंटीन, पैम्पर्स (डायपर), जिलेट, ओल्ड स्पाइस और ओरल-बी आदि ब्रांड के उत्पादों की कीमतों में कमी की है। पीएंडजी इंडिया ने बच्चों के देखभाल से जुड़े उत्पादों के दाम भी कम किए हैं। इन उत्पादों में डायपर पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत और बेबी वाइप्स पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत हो जाएगा। नई दरें 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी होंगी। कंपनी जिलेट और ओल्ड स्पाइस की कीमतों में भी कमी करने जा रही है। इमामी बोरोप्लस एंटीसेप्टिक क्रीम, नवरत्न आयुर्वेदिक तेल और झंडू बाम आदि की कीमतें भी कम हो रही हैं। एचयूएल ने भी जीएसटी सुधारों के बाद 22 सितंबर से डव शैम्पू, हॉर्लिक्स, किसान जैम, ब्रू कॉफी, लक्स और लाइफबॉय साबुन सहित अपने उपभोक्ता उत्पाद रेंज की कीमतों में कमी करने की घोषणा की है। जीएसटी परिषद ने इस महीने की शुरुआत में माल एवं सेवा कर के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया है।

सरकार 11वीं और 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम में कौशल आधारित शिक्षा शुरू करने की योजना बना रही : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को यहां कहा कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुसार 11वीं और 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम में कौशल आधारित शिक्षा को शामिल करने पर विचार कर रही है। प्रधान ने कहा कि उचित स्तर पर शिक्षण पद्धति में आमूलचूल बदलाव होना चाहिए और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इसकी सिफारिश की गई है। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास में एक कार्यक्रम में कहा, हम 11वीं और 12वीं कक्षा में कौशल आधारित पाठ्यक्रम शुरू करने पर काम कर रहे हैं।

पाठ्यक्रम में कौशल आधारित शिक्षा को शामिल करने की अवधारणा के बारे में प्रधान ने कहा कि पहले की शिक्षा प्रणाली प्रमाणपत्र और डिग्री पर केंद्रित थी। उन्होंने आईआईटी मद्रास में दक्षिणापथ शिखर सम्मेलन 2025 में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सही कहा कि हमें डिग्री और प्रमाणन की आवश्यकता है, लेकिन हमें छात्रों को सक्षम भी बनाना होगा।''

प्रधान ने कहा, ''एनईपी 2020 की प्राथमिक सिफारिशों में से एक कौशल आधारित शिक्षा है।'' उन्होंने कहा कि ''उनका मंत्रालय छठी कक्षा से ही कौशल आधारित शिक्षा शुरू करने पर भी काम कर रहा है। प्रधान ने कहा, पहले कौशल आधारित शिक्षा वैकल्पिक थी। कौशल आधारित शिक्षा चयनात्मक थी। लेकिन अब से कौशल एक विषय के रूप में शिक्षा का एक औपचारिक हिस्सा होगा।'' कक्षा 11वीं और 12वीं के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार करने के बारे में उन्होंने कहा कि ''शिक्षा की पिछली पद्धति विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी पर केंद्रित थी। उन्होंने कहा, अब हम कौशल विकास की भी योजना बना रहे हैं। उदाहरण के लिए, छात्र गणित, भाषा, कंप्यूटर भाषा लेखन – यानी कोडिंग, ड्रोन तकनीक या कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे विषयों का अध्ययन कर सकते हैं। यह एक नया युग है।''

उन्होंने कहा, ''हमें अपने युवाओं को प्रशिक्षित करना होगा, उन्हें (नये पाठ्यक्रम ढांचे के साथ) जोड़ना होगा।'' आईआईटी मद्रास के कुछ छात्रों और स्टार्टअप शुरू करने वाले कुछ छात्रों के साथ अपनी पूर्व की बातचीत का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा, ''मैं प्रोफेसर (आईआईटी–एम निदेशक) कामकोटि और उनकी टीम का बहुत आभारी हूं। वे संयुक्त रूप से विशेष प्रतिभा वाले छात्रों को बढ़ावा दे रहे हैं और उन्हें सुविधा प्रदान कर रहे हैं।''

बाद में, उन्होंने आईआईटी मद्रास परिसर में छात्रों के साथ ली गई कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं।

प्रधान ने इस बात पर जोर दिया कि भाषाएं संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी भारतीय कंपनी को किसी इजराइली कंपनी के साथ गठजोड़ करना है तो उसे हिब्रू भाषा सीखनी होगी। उन्होंने कहा, ''कोई अंग्रेजी या मंदारिन सीख सकता है। हम हिब्रू भी सीख सकते हैं। लेकिन, मैं तमिल भाषा सीखना चाहूंगा क्योंकि तमिलनाडु एक जीवंत सोच वाला समाज है।''

उन्होंने कहा कि देश में 1.75 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। उन्होंने कहा, ''नया विमर्श यह है कि ये स्टार्टअप संस्थापक नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बन गए हैं। आईआईटी एक–दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 वर्ष 2047 तक केंद्र के विकसित भारत के दृष्टिकोण को हासिल करने के लिए एक दार्शनिक दस्तावेज है और अगले दो दशकों में एनईपी 2020 की प्रत्येक सिफारिश को लागू किया जाना है।

सबरीमला मंदिर : सतर्कता जांच के उच्च न्यायालय के आदेश के बीच सोने की परत वाली चादरें वापस लाई गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथनमथिट्टा। सबरीमला मंदिर के गर्भगृह के सामने द्वारपालकों (संरक्षक देवता) की मूर्तियों के ऊपर चढ़ी सोने की परत वाली तांबे की चादरें, जिन्हें मरम्मत के लिए चेन्नई भेजा था, रविवार को मंदिर में वापस लाई गईं। त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब केरल उच्च न्यायालय ने टीडीबी की आलोचना करते हुए कहा कि द्वारपालकों की मूर्तियों के ऊपर चढ़ी सोने की परत वाली तांबे की चादरें उसकी अनुमति के बिना हटाई गईं और मरम्मत के लिए चेन्नई भेजी गईं। उच्च न्यायालय ने सोने की परत वाली तांबे की चादरों के वजन में कमी को भी चिह्नित किया है और मामले की सतर्कता जांच के आदेश दिए हैं। टीडीबी अधिकारियों के मुताबिक, रविवार को काम पूरा होने के बाद सोने की परत वाली तांबे की चादरों को चेन्नई से वापस लाया गया और अनुष्ठान के बाद तंत्री की सहमति से उन्हें पुनः स्थापित किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, वे उच्च न्यायालय को जल्द ही चादरों को सबरीमला मंदिर में वापस लाए जाने के बारे में सूचित करेंगे। उच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा था कि रिकॉर्ड दर्शाते हैं कि जब मूर्तियों के ऊपर चढ़ी सोने की परत वाली तांबे की चादरों को 2019 में और सोना चढ़ाने के लिए हटाया गया था, तब उनका वजन 42.8 किग्रा था। अदालत ने कहा था कि हालांकि, जब इन चादरों को सोने की परत चढ़ाने का काम करने वाली कंपनी के पास भेजा तो इनका वजन 38.258 किग्रा दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है।

दक्षिण रेलवे चेन्नई डिवीजन ने किया वृक्षारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक शैलेंद्र सिंह ने रविवार को अयनावरम स्थित आरपीएफ परेड ग्राउंड में वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। चेन्नई सेंट्रल, चेन्नई एग्मोर, तिरुत्तनी, जोलारपेट्टई, वेलाचेरी, मेलमारुवत्तूर और तांबरम सहित प्रमुख स्टेशनों, वर्कशॉप और रेलवे कॉलोनियों में पौधारोपण अभियान चलाया गया। उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ, पूरे मंडल में 1,500 से अधिक पौधे लगाए गए। 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा' के तहत स्वच्छता से आगे बढ़कर, अपशिष्ट न्यूनीकरण, पुनर्चक्रण और स्थिरता पर केंद्रित है। अभियान का प्रत्येक दिन सामुदायिक सहभागिता और पर्यावरण जागरूकता को प्रोत्साहित करने के लिए एक विशिष्ट विषय को समर्पित है।

धनबाद स्पेशल की 23 सितम्बर की सेवा रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एम.सेंथमिल सेल्वन से प्राप्त जानकारी के अनुसार पेयरिंग रैक रद्द होने के कारण निम्न ट्रेने रद्द कर दी गई हैं। ट्रेन संख्या 03680 कोयंबटूर–धनबाद स्पेशल, जो 23 सितंबर को कोयंबटूर से सुबह 07.50 बजे रवाना होने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 13352 अलाप्पुझा–धनबाद एक्सप्रेस, जो 23 सितंबर को सुबह 06.00 बजे अलाप्पुझा से रवाना होने वाली है, पूर्णतः रद्द है।

जिपमर ने 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' के तहत व्यापक स्वास्थ्य जागरूकता पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री रेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान (एसएनएसपीए) के राष्ट्रीय शुभारंभ के अनुरूप, जिपमर ने पुडुचेरी में लक्षित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने और परिवारों को सुदृढ़ बनाने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। ये पहल महिलाओं और बच्चों के शारीरिक, मानसिक और पोषण संबंधी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं, जो एक स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को दर्शाता है। लाभार्थियों को एबी–पीएमजेएवाई सहित सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए आभा आईडी के महत्व के बारे में भी बताया गया।

पुडुचेरी के विल्लियानूर स्थित कस्तूरबा महिला महाविद्यालय में आयोजित इस अभियान में 100 से ज़्यादा छात्राओं और महिलाओं ने हिस्सा लिया। जागरूकता सत्रों में महिलाओं के स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन, स्त्री रोग संबंधी कैंसर जागरूकता और एचपीवी टीकाकरण जैसी निवारक देखभाल, सुरक्षित और पौष्टिक खान–पान की आदतों को बढ़ावा देने वाला ईट राइट अभियान, और सुरक्षित रक्तदान और अंगदान प्रथाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

रामनाथपुरम स्थित जिपमेर ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के पिल्लयार कुप्पम सामुदायिक भवन में एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं की स्वास्थ्य सेवा के लिए समर्पित 15 विशेष स्टॉल लगाए गए। शिविर में एनीमिया की जाँच, रक्तचाप और बीएमआई जाँच, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के बारे में जागरूकता, पोषण संबंधी परामर्श और जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन सहित व्यापक सेवाएँ प्रदान की गईं। स्थानीय समुदाय की महिलाओं ने इसमें भाग लिया और उन्हें व्यक्तिगत परामर्श और शैक्षिक सामग्री प्रदान की गई ताकि वे सूचित स्वास्थ्य निर्णय लेने में सक्षम हो सकें।

इसके साथ ही, कुरुसुकुप्पम स्थित जिपमेर शहरी स्वास्थ्य केंद्र ने किशोरियों और वयस्क महिलाओं, दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इस अभियान को दीपस्थल स्कूल तक भी विस्तारित किया। गतिविधियों में छात्रों के लिए एनीमिया जाँच, पोषण–केंद्रित स्वास्थ्य चर्चाएँ और मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता सत्र शामिल थे। जेआईपीएमईआर, कराईकल और जेआईपीएमईआर, यनम केन्द्रों ने विभिन्न स्वास्थ्य मेलों और जागरूकता सत्रों के माध्यम से क्षेत्रीय लाभार्थियों के बीच इस अभियान को बड़े पैमाने पर चलाया है।

इस संबंध में 23 सितम्बर को विल्लुपुरम जिले के अयंदूर गांव में, 25 सितम्बर को हिंदुस्तान ग्लास फैक्ट्री, थोंडामंथम में, विशेष रूप से औद्योगिक महिला श्रमिकों के लिए, 26 सितम्बर को विल्लुपुरम जिले के जिंजी के पास धाधनकुप्पम गांव में प्रमुख स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन होगा।

अलाप्पुझा में एम्स की स्थापना की जानी चाहिए : गोपी

त्रिशूर (केरल)/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने रविवार को दोहराया कि अलाप्पुझा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना की जानी चाहिए और इसे तटीय जिले के विकास के लिए आवश्यक बताया।

मध्य केरल के इस जिले के एक गांव में लोगों के एक छोटे समूह के साथ बातचीत करते हुए गोपी ने कहा कि स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और विकास के मामले में अलाप्पुझा अन्य जिलों से पीछे है। पर्यटन, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री ने कहा, अगर हम 13 जिलों की तुलना करें तो अलाप्पुझा इडुक्की से भी पीछे है। यह जिला बड़ी कठिनाइयों का सामना कर रहा है।

यहां एम्स की स्थापना इस क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। गोपी ने कहा कि यदि राजनीतिक आपत्तियों के कारण परियोजना अलाप्पुझा में नहीं आ पाती है तो वह सुनिश्चित करेंगे कि इस परियोजना को उनके निर्वाचन क्षेत्र त्रिशूर में स्थानांतरित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि केरल से निर्वाचित भाजपा के पहले सांसद के रूप में वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा के समक्ष यह अनुरोध रखेंगे। इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नीथला ने रविवार को अलाप्पुझा में एम्स स्थापित करने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि तटीय जिला स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में पिछड़ा हुआ है और इसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इससे पहले, भाजपा ने राज्य सरकार से अलाप्पुझा में एम्स परियोजना के लिए तत्काल भूमि उपलब्ध कराने का आह्वान किया था। पार्टी ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार जिले में एम्स की स्थापना के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है लेकिन राज्य सरकार भूमि आवंटन के मामले पर चुप है।

अयप्पा संगमम पर राजनीतिक विवाद जारी, एलडीएफ ने सफल और यूडीएफ ने 'फ्लॉप' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार के सहयोग से त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) द्वारा आयोजित 'ग्लोबल अयप्पा संगमम' के समापन के साथ ही रविवार को सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी यूडीएफ के बीच इस बात को लेकर राजनीतिक बहस छिड़ गई कि यह आयोजन सफल रहा या असफल। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेताओं ने संगमम को ''एक बड़ी सफलता'' बताया, जबकि विपक्ष ने इसे ''फ्लॉप'' करार देते हुए खारिज कर दिया, तथा कुछ सत्रों के दौरान सभागार में ज्यादातर कुर्सियां खाली होने के दृश्यों का हवाला दिया। माकपा के प्रदेश सचिव एम.वी. गोविंदन ने सबसे पहले प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भागीदारी उम्मीद से अधिक रही। उन्होंने पूछा, हमने 3,000 लोगों के लिए योजना बनाई थी। 4,600 से अधिक लोग आए। क्या यह कोई खामी है?

आलोचकों पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मीडिया का एक वर्ग फर्जी ''अभियान'' चला रहा है और यहां तक कि इस कार्यक्रम को ''बदनाम'' करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)–जनित तस्वीरों और वीडियो का भी इस्तेमाल कर रहा है। देवस्वोम मंत्री वी एन वासवन ने कहा कि 4,126 लोगों ने भाग लिया, जिनमें 182 विदेशी प्रतिनिधि (श्रीलंका से 39) और तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, पंजाब, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे अन्य राज्यों से 2,125 प्रतिनिधि शामिल थे।

उन्होंने कहा कि शेष 1,219 केरल से थे, जिनमें विभिन्न देवस्वोम बोर्ड के प्रतिनिधि भी शामिल थे। मंत्री ने कहा कि केरल उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, संगमम श्रद्धालुओं को असुविधा पहुंचाए बिना और पर्यावरण अनुकूल प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से आयोजित किया गया। उन्होंने कहा, ''इसमें शामिल कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के नेताओं समेत किसी की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली। सभागार खाली रहने के दावे निराधार हैं–प्रतिनिधि अलग–अलग जगहों पर समानांतर सत्रों में भाग ले रहे थे।'' वासवन ने कहा कि ''आलोचकों ने उद्घाटन सत्र से पहले कार्यक्रम स्थल के वीडियो प्रसारित किए थे ताकि कम उपस्थिति को गलत तरीके से दर्शाया जा सके।'' उन्होंने कहा कि न तो सरकार और न ही टीडीबी का कोई राजनीतिक एजेंडा है, और उनका एकमात्र उद्देश्य सबरीमला को एक वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। तीन सत्रों से सामने आई सिफारिशों का मूल्यांकन करने के लिए 18 सदस्यीय समिति गठित की गई है और इसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। इस बीच, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने कहा कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व में आयोजित अयप्पा संगमम राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित एक ''उपहास'' साबित हुआ। कांग्रेस नेता ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर खाली कुर्सियां इस बात का प्रमाण थीं कि अयप्पा के श्रद्धालुओं को गुमराह करने की सरकार की कोशिश नाकाम हो गई।

सतीशन ने कहा, ''यह महसूस करते हुए कि यह चुनावों को ध्यान में रखकर रचा गया एक राजनीतिक नाटक मात्र है, श्रद्धालु कार्यक्रम से दूर रहे।'' उन्होंने दावा किया, ''यह तर्क देना कि ये तस्वीरें एआई का इस्तेमाल कर बनाई गई थीं, लोगों की बुद्धिमत्ता का अपमान है। एम वी गोविंदन को ऐसे बयानों से खुद को उपहास का पात्र नहीं बनाना चाहिए।''

'सिनेमा की कोई सीमा नहीं': मोहनलाल ने दादा साहब फाल्के सम्मान पर कहा

कोच्चि/भाषा। मलयाली फिल्मों के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल ने भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार को सिनेमा व दर्शकों को समर्पित करते हुए कहा कि आज सिनेमा की कोई सीमा नहीं है और पूरे भारत में इसकी आसान पहुंच है। अभिनेता ने वर्ष 2023 के लिए सिनेमा के क्षेत्र में देश के सर्वोच्च सम्मान के लिए चुने जाने के एक दिन बाद कहा कि जब उन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय से पुरस्कार की सूचना देने के लिए फोन आया, तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ।

मोहनलाल ने कहा, ''मुझे लगा कि यह कोई सपना है। मैंने उनसे इसे दोहराने के लिए भी कहा।'' मोहनलाल ने इस सम्मान का श्रेय फिल्म जगत के सामूहिक प्रयासों और अपने पूरे करियर में दर्शकों के अटूट समर्थन को दिया। मोहनलाल ने कहा, ''यह सिर्फ मेरा पुरस्कार नहीं है बल्कि भारतीय सिनेमा का सम्मान है। मैं सम्मान के लिए ईश्वर का शुक्रिया अदा करता हूं। कोई भी काम ईमानदारी और लगन से किया जाना चाहिए और इस दौरान कई लोगों ने मेरी मदद की। मैं यह पुरस्कार उन सभी के साथ बांटता हूं।'' मोहनलाल ने फिल्म जगत को ईश्वर बताया। इसलिए मैं कहता हूं कि यह पुरस्कार ईश्वर प्रदत्त है। हम जो काम करते हैं उसमें ईमानदारी है। मैं यह पुरस्कार सभी के साथ बांटता हूं। मैं आलोचनाओं से डरकर पीछे हटने वाला व्यक्ति नहीं हूं, इस पल को संजोकर रखना है। फिल्मों में 48 साल पूरे कर चुके मोहनलाल ने कहा कि उन्हें फिल्म जगत के कुछ महानतम कलाकारों के साथ काम करने का सौभाग्य मिला और इस सम्मान के पीछे उनका आशीर्वाद है।

चेन्नई कस्टम्स ने 11.9 किग्रा गांजा जब्त किया, दो यात्री गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई कस्टम्स की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर 18 सितम्बर को थाई एयरवेज की फ्लाइट टीजी 337 से बैंकॉक से आए दो यात्रियों को रोका।

पहले मामले में, एक भारतीय पुरुष यात्री के पास एक नीला ट्रॉली बैग पाया गया। विस्तृत जाँच के बाद, उसमें से छह पारदर्शी पॉलीथीन पैकेट मिले, जिनमें हरे रंग के फूल/फल लगे थे और तेज़ गंध छोड़ रहे थे। इन्हें ट्रॉली के नकली तले में छिपाया गया था। क्षेत्रीय औषधि परीक्षण से पुष्टि हुई कि यह पदार्थ 5.992 किलोग्राम (शुद्ध वजन) का कैनाबिस (गांजा/मारिजुआना) था। दूसरे मामले में, एक महिला यात्री ऐसा ही ट्रॉली बैग ले जा रही थी जिसमें छह पारदर्शी पॉलीथीन के पैकेट थे, जिनमें हरे रंग के फूल/फल लगे थे और जो नकली तली में छिपे हुए थे और तेज़ गंध छोड़ रहे थे। क्षेत्रीय औषधि परीक्षण से पुष्टि हुई कि यह पदार्थ कैनाबिस (गांजा/मारिजुआना) था, जिसका वज़न 6.000 किलोग्राम (शुद्ध वज़न) था। इस प्रकार, एक ही उड़ान में यात्रियों द्वारा छुपाने के दो अलग–अलग लेकिन समान प्रयासों में कुल 11.992 किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया गया। एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों और सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 110 के तहत, तस्करी की गई सामग्री सहित, यह प्रतिबंधित पदार्थ ज़ब्त किया गया। दोनों यात्रियों ने स्वीकार किया कि उन्हें उन संचालकों ने भर्ती किया था जिन्होंने उनकी यात्रा की व्यवस्था की थी और भारत में मादक पदार्थों की तस्करी के लिए उन्हें आर्थिक मुआवज़ा देने का वादा किया था। यात्रियों को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया और हिरासत के लिए अलंदूर न्यायालय में पेश किया गया। यह दोहरी जब्ती एआईयू, चेन्नई की बढ़ी हुई सतर्कता को रेखांकित करती है।

भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA
अंतरिक्ष विभाग DEPARTMENT OF SPACE
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र SPACE APPLICATIONS CENTRE
अहमदाबाद AHMEDABAD-380015

विज्ञापन सं. सैक:03:2025, दिनांक 22.09.2025

इसरो के विभिन्न केन्द्रों/इकाइयों एवं भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (अंतरिक्ष विभाग के तहत स्वायत्त निकाय) में कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के पद पर भर्ती हेतु पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पद कोड	पद का नाम वेतन मैट्रिक्स में वेतन एवं स्तर	रिक्तियों की संख्या एवं आरक्षण विवरण	आयु सीमा
07	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी स्तर–06 (रु 35,400–रु. 1,12,400)	कुल –03 (अना.)	13.10.2025 को 18 से 35 वर्ष तक
08	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी स्तर–06 (रु 35,400–रु. 1,12,400)	कुल –01(अना.)	13.10.2025 को 18 से 35 वर्ष तक

• पद कोड -07 के 03 अना. पदों में से एलपीएससी (वलियामाला, तिरुवनंतपुरम), आईपीआरसी (महेंद्रगिरी) और इसरो मुख्यालय (बेंगलूरु) प्रत्येक के लिए 01 पद चिह्नित है।
• पद कोड-08 का 01 अना. पद आईआईएसटी (तिरुवनंतपुरम) के लिए चिह्नित है।

आवेदन मात्र ऑन–लाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन के पंजीकरण के लिए ऑन–लाइन भर्ती पोर्टल 23.09.2025 को 0930 बजे से 13.10.2025 को 1700 बजे तक उपलब्ध रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थी विस्तृत विज्ञापन के लिए और ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र भरने के लिए हमारी वेबसाइट https://www.sac.gov.in>Careers में देखे।

CBC 49107/11/0006/2526

चेन्नई हवाई अड्डे पर थाईलैंड से लाए गांजे की तस्करी का प्रयास नाकाम, दो यात्री गिरफ्तार

चेन्नई। सीमा शुल्क विभाग ने चेन्नई अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 11.9 किलोग्राम गांजे की तस्करी के प्रयास को नाकाम करते हुए इस संबंध में दो यात्रियों को गिरफ्तार किया है।

सीमा शुल्क विभाग की ओर से रविवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि विभाग के अधिकारियों ने 18 सितंबर को थाईलैंड से यहां पहुंचे दो अलग–अलग यात्रियों को रोका और उनके सामान की जांच के दौरान प्रतिबंधित सामान बरामद किया।

दोनों यात्रियों से कुल 11.9 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया तथा पूछताछ के दौरान यात्रियों ने पुष्टि की कि देश में मादक पदार्थों की तस्करी के लिए उन्हें पैसे देने का वादा किया था। विज्ञप्ति में कहा गया कि संबंधित यात्रियों को स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया है।

जीएसटी सरलीकरण का समाज के सभी वर्गों को मिलेगा लाभ : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) दरों में किए गए सरलीकरण से गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारी और उद्योगपतियों सहित समाज के सभी वर्गों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जीएसटी दरों के संबंध में मंत्रीगण और विधायकों की वीसी के माध्यम से आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा देशवासियों को त्यौहारों के शुभ अवसर पर जीएसटी दरों में कमी की अनूठी सौगात दी गई है। इसका व्यापक लाभ सुनिश्चित करने के लिए जन-जागरूकता आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि राज्य में 22 से 29 सितम्बर तक जीएसटी सुधार एवं दर युक्तिरण जन-जागरूकता कार्यक्रम 'जीएसटी बचत उत्सव' शुरू किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के साथ ही व्यवसायी वर्ग को प्रेरित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन नेशन वन टैक्स प्रणाली की ओर बढ़ते हुए देश में वर्ष 2017 में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू किया गया था। इसमें 5, 12, 18 व 28 प्रतिशत की चार अलग-अलग टैक्स स्लैब थी। मोदी ने गत स्वतंत्रता दिवस पर जीएसटी सुधारों की घोषणा की, जिसकी अनुपालना में अब 22 सितम्बर से देश में मुख्य रूप से दो दरें पाच एवं18 प्रतिशत प्रभावी हो रही हैं। केवल विलासिता से संबंधित वस्तुओं पर ही 40 प्रतिशत टैक्स दर लागू होगी। उन्होंने कहा कि इस कदम से दैनिक उपयोग की अधिकांश वस्तुएं सस्ती होंगी और आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

शर्मा ने कहा कि किसान, मध्यम वर्ग और स्वास्थ्य क्षेत्र को भी इस कटौती का फायदा मिलेगा। टैक्स कम होने से वस्तुओं की मांग बढ़ेगी, व्यापारी लाभान्वित होंगे तथा उद्योगों को सरल कर संरचना का लाभ मिलेगा। उन्होंने बैठक में मंत्रियों और विधायकों को निर्देशित करते हुए कहा कि अभियान की अवधि के दौरान वे अपने-अपने क्षेत्रों में जीएसटी बचत उत्सव का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए आमजन को इस संबंध में जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि स्थानीय बाजारों में जाकर दुकानदारों को जीएसटी दरों में कमी से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दें तथा उन्हें इसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करें। होर्डिंग्स, बैनर एवं स्टीकर्स के माध्यम से भी जीएसटी बचत उत्सव का प्रचार-प्रसार करें।

उन्होंने कहा कि सभी प्रभारी मंत्री जिलों में व्यापारी संघों, चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं कर संघों के साथ बैठक आयोजित कर वार्ता करें तथा सोशल मीडिया एवं समाचार पत्रों के माध्यम से अभियान का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें।

रबी सीजन में निर्बाध एवं प्रर्याप्त विद्युत आपूर्ति हर हाल में हो सुनिश्चित : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसान को राज्य की अर्थव्यवस्था के प्रमुख आधार स्तम्भ बताते हुए आगामी रबी सीजन में किसानों को पर्याप्त एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति हर हाल में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने किसानों को कृषि कार्यों के लिए सुचारू बिजली आपूर्ति सरकार की प्राथमिकता कहा कि आगामी रबी सीजन के दौरान बिजली आपूर्ति व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा ना आए, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली उत्पादन इकाइयों का रख-रखाव कार्य समय से पूरा कर लिया जाए, ताकि रबी सीजन में अक्टूबर से फरवरी माह के दौरान किसी भी स्थिति में उत्पादन इकाइयों को शट-डाउन ना करना पड़े।

शर्मा ने कहा कि इस मानसून सीजन में राज्य में अच्छी बारिश होने के कारण फसलों का बुवाई क्षेत्र बढ़ा है। इससे गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष रबी सीजन के दौरान विद्युत की मांग बढ़ने की संभावना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीक डिमांड के दौरान यदि आवश्यकता हो तो अतिरिक्त बिजली खरीदकर उपलब्ध कराई जाए, ताकि रबी फसलों की सिंचाई प्रभावित ना हो। उन्होंने कहा कि उत्पादित विद्युत के स्टोरेज के लिए बैटरी स्टोरेज क्षमता में भी वृद्धि की जाए, जिससे आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए सौर ऊर्जा परियोजनाओं के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने बैठक में पीएम सूर्यघर 150 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना तथा पीएम कुसुम योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राज्य के कृषकों को पीएम कुसुम योजना के माध्यम से ऊर्जा प्रदाता बनाने के साथ ही प्रदेश के घरेलू उपभोक्ताओं को भी सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे उपभोक्ता अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ ही अतिरिक्त ऊर्जा से अपनी आमदनी में भी वृद्धि कर सकेगा।

बैठक में बताया गया कि विद्युत आपूर्ति सुचारू करने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 92 जीएसएस बनाये जा चुके है एवं पावर ट्रांस्फार्मर्स की क्षमता में 576.35 एमवीए की वृद्धि की गई है।

राजस्थान में कानून व्यवस्था की स्थिति की हदें हुई पार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार पर आपराधिक घटनाओं में वृद्धि होने का आरोप लगाते हुये कहा है कि राज्य में बिगड़ी कानून व्यवस्था की स्थिति हदे पार कर चुकी है। गहलोत रविवार को यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में यह आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में एक के बाद एक दुष्कर्म की घटनाएं हो रही है, ऐसा माहौल कैसे बन गया है। दो वर्ष की बच्ची के साथ उसका पिता दुष्कर्म करने का मामला कितना भयानक है। उन्होंने कहा कि हालांकि हर राज्य में अपराध की घटनाएं होती है लेकिन राजस्थान में इसकी हदे पार हो गई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं बढ रही है और अपराधियों में पुलिस का भय नहीं रहा है। कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है और राज्य में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। गहलोत ने कहा कि राज्य में हाल में हुई अतिवृष्टि एवं बाढ के कारण किसानों तथा अन्य लोगों को भारी नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री को बाढ प्रभावित क्षेत्रों का दौरान कर जायजा लेकर राहत प्रदान करानी चाहिये।

उन्होंने कहा कि उनके शासनकाल में चिकित्सा विभाग में 25 लाख रूपये तक का इलाज, जांचे निशुल्क थी लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार एक.एक करके सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर रही है। एक सवाल के जबाव में गहलोत ने कहा कि देश में न्यायपालिका, चुनाव आयोग, केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सहित सभी ऐजेंसियां केन्द्र सरकार के दबाव में काम कर रही है और उनका विपक्ष के साथ व्यवहार बदल गया है। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव से डेढ महीने पूर्व एसआईआर कराई जा रहा है जबकि यह कार्य एक वर्ष पूर्व कराया जाना चाहिये था।

उदयपुर में हुए कन्हैयालाल दर्जी हत्याकांड के आरोपियों को जमानत मिलने के मामले में पुछे गये प्रश्न के जबाव में उन्होंने कहा कि घटना के दो दिन में ही इस मामले को केन्द्र की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अपने हाथ में ले लिया था। उन्होंने कहा .. वह दावे के साथ कहते है कि अगर यह मामला अगर राजस्थान में ही चलता तो छह महीने में इसका फैसला हो जाता और आरोपी को आजीवन कारावास अथवा मृत्युदंड जैसी सजा मिल गई होती।..

भारत जिस गति के साथ आगे बढ़ रहा, स्वयं को तंदुरुस्त रखना आवश्यक : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन कार्यक्रमों की श्रृंखला में सेवा पखवाड़ा एवं सांसद खेल महोत्सव-2025 के तहत सूर्यनगरी में रविवार सुबह 'नमो युवा रन' मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाग लिया। इसमें युवा उमंग और जोश के साथ दौड़े। इस दौरान शेखावत ने नमो युवा रन में न केवल भाग लिया बल्कि वो युवाओं के साथ दौड़े। इस अवसर पर शेखावत ने कहा कि भारत जिस गति के साथ आगे बढ़ रहा है, उसके लिए सबको स्वयं को तंदुरुस्त रखना आवश्यक बताते हुए कहा है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है।

उन्होंने कहा कि हम सब खेलेंगे, हम सब फिट रहेंगे और फिट रहेंगे तो हम देश को विकसित बनाने के संकल्प के साथ जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मंत्र है, 'खेलेगा इंडिया तो खिलेगा इंडिया', इसलिए उन्होंने फिट इंडिया मिशन प्रारंभ किया। आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वर्ष पूरे होने के बाद, उनके दीर्घायु होने के लिए, वो लंबे समय तक राष्ट्र की सेवा कर सकें, इस संकल्प के साथ और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए पूरे देश ने मैराथन दौड़ का संकल्प लिया गया। उन्होंने कहा कि आज आठ वर्ष के बालक-बालिकाओं से लेकर 80 वर्ष के वरिष्ठ नागरिक यहां मौजूद हैं।

इस अवसर पर राठौड़ ने कहा कि आज के आयोजन का संदेश यही है कि दुनिया में जो भी अच्छी वस्तु दैनिक उपयोग में काम आ सकती है, उसका विकल्प हम तैयार करें। हम अपने देश में उत्पादन करें, ताकि नागरिक हमारे स्थानीय उत्पादन का उपयोग कर सकें। इस मौके राज्य के कानून मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद राजेन्द्र गहलोत, महापौर वनिता सेठ, विधायक देवेन्द्र जोशी, अतुल भंसाली, भैराराम सियोल एवं बाबूसिंह राठौड़ आदि मौजूद थे।

महिला ने सास और अपने नवजात शिशु पर चाकू से हमला कर खुद की नसें काटीं

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के सदर थाना क्षेत्र में रूपाहेली गांव में देर रात एक महिला ने अपनी सास और दो महीने के नवजात बेटे पर चाकू से हमला करके खुद की हाथों की नसें काट लीं। इन सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला के पति राजू जाट ने पुलिस को बताया कि करीब डेढ़ वर्ष पहले उसने पूजा से नाता विवाह किया था। पूजा कुछ दिनों से अजीब तरह की हरकतें कर रही थी। उसे चिकित्सक को भी दिखाया, लेकिन चिकित्सक ने उसे किसी भी प्रकार की बीमारी होने से मना कर दिया। शनिवार को भी पूजा ने ऐसी ही हरकतें की। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाकर जांच कराई गयी और रविवार सुबह उसे दोबारा दिखाना था।

राजू ने बताया कि रात को पूजा अपनी सास के कमरे में ही सो गयी। देर रात परिवार के सोने के बाद पूजा ने गोरी (45) पर चाकू से कई वार किये, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई । इसके बाद पूजा ने अपने दो महीने के पुत्र जसवंत पर भी चाकू से हमला किया, जिससे वह भी घायल हो गया। राजू ने बताया कि इस घटना को अंजाम देने के बाद पूजा ने खुद ही अपने हाथ की चाकू से नसें काट ली। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था।

युवा राष्ट्र की शक्ति, देश के विकास में उनका अहम योगदान : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि युवा राष्ट्र की शक्ति का आधार हैं जो समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि युवा नशे से दूर रहते हुए अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए दृढ इच्छाशक्ति के साथ मेहनत करें और राज्य सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। शर्मा सीकर के सांवली में सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित नशामुक्ति शपथग्रहण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने हजारों युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा, बदलाव की शुरुआत स्वयं से होती है, इसलिए हम नशामुक्त रहते हुए परिवार और समाज को भी इस बुराई से दूर रखें। इस चुनौती से निपटने के लिए हम सबको एकजुट होकर नशामुक्ति अभियान से जुड़ने का संकल्प लेना होगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर शुरू हुए सेवा पखवाड़ा के तहत राज्य में भी नशामुक्ति जैसे जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही, ग्रामीण सेवा शिविरों और शहरी सेवा शिविरों का आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, पूर्ववर्ती सरकार के शासनकाल में राज्य में नशा माफियाओं का बोलबाला था जबकि हमारी सरकार ने नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए मात्र 18 महीने में 6,608 मामले दर्ज किए और 7,835 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही, 4700 किलोग्राम अफीम और 130 किलोग्राम हेरोइन भी जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए भाजपा सरकार विधेयक लेकर आई है, जिससे अवैध धर्म परिवर्तन पर लगाम लगेगी।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय पेपर लीक के कारण युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ। उन्होंने कहा, हमारी सरकार पेपर लीक पर अंकुश लगाते हुए पारदर्शिता के साथ परीक्षाओं का आयोजन करा रही है। हमने पांच साल में युवाओं को सरकारी क्षेत्र में चार लाख तथा निजी क्षेत्र में छह लाख रोजगार के अवसर देने का संकल्प लिया है। हम अब तक 75 हजार सरकारी नियुक्तियां दे चुके हैं और शीघ्र ही यह आंकड़ा एक लाख तक पहुंचा देंगे। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि भारत को सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने में युवाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि युवा दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे तो वर्ष 2047 तक भारत विश्वपटल पर विकसित राष्ट्र बनकर उभरेगा।

निजी सहायक कर्मचारी हैं 'सिस्टम के साइलेंट आर्किटेक्ट' : प्रेमचंद बैरवा

जयपुर। प्रदेश के राजस्थान निजी सहायक संवर्ग महासंघ द्वारा रविवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में संगम 2025 अनुभव और ऊर्जा का अद्वितीय मिलन राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महासंघ के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर एवं शॉल ओढ़ाकर डॉ. बैरवा का अभिनंदन एवं स्वागत किया। डॉ. बैरवा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि निजी सहायक कर्मचारी 'सिस्टम के साइलेंट आर्किटेक्ट' हैं। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार सभी निजी सहायकों को समय पर पदोन्नति के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निजी सहायक कर्मचारियों के संगठित मंच पर आकर अपने विचार साझा करना न केवल उनके लिए सम्मान की बात है, बल्कि एक ऐसा अवसर भी है जिसमें वे ऐसे समर्पित, अनुशासित और निष्ठावान पेशेवरों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े।

उन्होंने निजी सहायक कर्मचारियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे एक अदृश्य शक्ति के रूप में समाज और सरकार के लिए कार्य करते हैं। निजी सहायक कर्मचारी कार्यालय या प्रतिष्ठान में जानकारी का संकलन करते हैं, वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यभार को व्यवस्थित करते हैं और कार्य को एक महत्वपूर्ण स्तर तक पहुँचाते हैं। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए निजी सहायक संवर्ग के सदस्यों के उत्साहवर्धन के लिए प्रेरक शब्द कहे।

भिवाड़ी में मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया शिविरों का निरीक्षण

जयपुर। प्रदेश में आयोजित शहरी सेवा शिविर 2025 आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बन रहे हैं। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने शनिवार को अलवर, किशनगढ़ बास और भिवाड़ी में आयोजित शिविरों का निरीक्षण कर जनता से संवाद स्थापित कर पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का हाथों हाथ लाभ प्रदान किया। अलवर नगर निगम परिसर एवं नगर विकास न्यास में आयोजित शिविरों में खर्रा, वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा के साथ पहुंचे और लाभार्थियों को आवासीय पट्टे एवं स्वीकृतियां वितरित कीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में यह अभियान सुशासन और पारदर्शिता की ऐसी तस्वीर पेश कर रहा है, जिसमें प्रशासन जनता के द्वार पर खड़ा है। किशनगढ़ बास में शिविर के दौरान पात्र परिवारों को आवासीय पट्टे सौंपे गए। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत 19 लाभार्थियों को ऋण चेक प्रदान किए गए तथा प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत 25 लाभार्थियों को 50-50 हजार रुपये की पहली किश्त जारी की गई। भिवाड़ी में तिजारा विधायक बालकनाथ योगी की उपस्थिति में खर्रा ने आमजन की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही स्ट्रीट लाइट, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, जनाधार, सफाई एवं आवारा पशु संबंधी प्रकरणों का निस्तारण कराया। साथ ही जरूरतमंद परिवारों को पट्टे, पीएम आवास योजना की किश्तें, ऋण चेक और पोषण किट वितरित किए गए।

प्रदेश सरकार युवाओं के उत्थान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : पटेल

जयपुर। श्रीयादे माटी कला बोर्ड द्वारा माटीकला प्रशिक्षित आर्टिजन एवं दस्तकारों को बजट घोषणा 2025-26 के अनुरूप जोधपुर जिले में विद्युत चलित चाक एवं मिट्टी गूंथने की मशीन (पगमील) का निःशुल्क वितरण समारोह एवं जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण कार्यक्रम रविवार को श्रीयादे मां पावन धाम झालामंड में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एवं श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में 92 प्रशिक्षित आर्टिजन एवं दस्तकारों को विद्युत चलित चाक एवं पगमील का वितरण किया गया और जेडीए द्वारा 28.65 लाख रूपये की लागत से निर्मित सड़क निर्माण कार्य का विधिवत लोकार्पण किया गया।

पटेल ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं के उत्थान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने पांच वर्ष में 4 लाख सरकारी नौकरी और निजी क्षेत्र में 10 लाख रोजगार के अवसर प्रदान का लक्ष्य रखा है। इस दिशा में अब तक 76 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। 81 हजार से अधिक पदों का परीक्षा कैलेंडर और 26 हजार भर्तियों के विज्ञापन जारी हो चुके हैं।

विशेष अनुष्ठान देखने के लिए हजारों लोग समलेश्वरी मंदिर पहुंचे

संबलपुर (ओडिशा)/भाषा। महालय के अवसर पर देवता के 'धबलामुखी बेशा' (सफेद पोशाक) अनुष्ठान की एक झलक पाने के लिए रविवार को हजारों भक्त संबलपुर शहर के समलेश्वरी मंदिर में एकत्र हुए। देवी समलेश्वरी महालय को छोड़कर साल भर लाल पोशाक में रहती हैं। महालय के दिन लोग अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान करते हैं।

इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए मंदिर के दरवाजे सुबह पांच बजे खोल दिए गए। जिले और आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु देवी की 'धवल वेश' देखने के लिए तड़के से ही मंदिर के सामने कतार में खड़े हो गए। समलेश्वरी मंदिर न्यास बोर्ड के अध्यक्ष संजय बाबू ने बताया, महालय के दिन, देवी 'धबलामुखी बेशा' का शृंगार करती हैं, जिसे 'गंगा दर्शन' भी कहा जाता है। श्वेत स्वरूप में देवी का शृंगार करने में छह घंटे से ज्यादा का समय लगता है। देवी समलेश्वरी मंगलवार दोपहर तक 'धबलामुखी बेशा' में रहेंगी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी ओडिशा और पड़ोसी राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई है।

मध्यस्थता परिषद के गठन में प्रगति हुई है : मेघवाल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि मध्यस्थता परिषद के गठन में प्रगति हुई है और वह जल्द ही इस बारे में ''अच्छी खबर'' साझा करेंगे। मध्यस्थता पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मेघवाल ने कहा कि कुछ लोगों ने इस ओर ध्यान दिलाया है कि मध्यस्थता कानून पारित होने के वर्षों बाद भी भारतीय मध्यस्थता परिषद का गठन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मैं जल्द ही अच्छी खबर दूंगा।

हाल में, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने संसद द्वारा मध्यस्थता अधिनियम पारित किए जाने के दो साल बाद मध्यस्थता परिषद के गठन में देरी के पीछे मानव संसाधन की कमी को कारण बताया था। शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा कि मानव संसाधन की कमी के कारण आज ऐसे कई कानूनों के क्रियान्वयन में समस्या आ रही है।

तीन उग्रवादी, एक हथियार विक्रेता गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। मणिपुर में अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से संबद्ध तीन उग्रवादियों और एक हथियार विक्रेता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रतिबंधित कंगलीपाक पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी के दो उग्रवादियों को शुक्रवार को बिष्णुपुर जिले के ट्रोंगलाओबी से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि थोकचोम मणिमतुम सिंह (20) और लैशराम प्रेमसागर सिंह (24) के रूप में पहचाने गए आतंकवादी लोगों, स्थानीय व्यापारियों और स्कूलों से जबरन वसूली करने में शामिल थे। पुलिस ने बताया कि इसके अलावा इंफाल पूर्वी जिले के कोंगबा से प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान अधिकारीमायुम रामकुमार शर्मा (62) के रूप में हुई है।

गाजा युद्ध पीड़ितों के नाम पर पैसा जुटाकर धन हड़पने के तीन आरोपी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने गाजा युद्ध पीड़ितों की मदद के लिए लोगों से धन जुटाने वाले अभियानों के जरिये इकट्ठा किए गए करोड़ों रुपए हड़पने के आरोप में तीन लोगों को महाराष्ट्र के भिवंडी से गिरफ्तार किया। एक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार, खुफिया जानकारी से पता चला कि कुछ लोग 'इंस्टाग्राम' और 'व्हाट्सएप ग्रुप' के जरिए उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में लोगों को गाजा में जारी युद्ध से प्रभावित महिलाओं और बच्चों के हृदयविदारक वीडियो बनाकर भावनात्मक रूप से प्रभावित कर उनके लिए भोजन, पानी, कपड़े और दवाओं के लिए दान मांग रहे हैं। एटीएस के अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों को धन भेजने के बजाय आरोपियों ने धन का एक बड़ा हिस्सा अपनी निजी और अवैध गतिविधियों में लगा दिया। लखनऊ के एटीएस थाने में तीन आरोपियों मोहम्मद अयान, जैद और अबू सूफियान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारी ने बताया कि गैर-जमानती वारंट हासिल करने के बाद एटीएस की एक टीम ने शनिवार को भिवंडी से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

युवा नशे की लत से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें : मुख्यमंत्री माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को राज्य के युवाओं से किसी भी प्रकार की लत से दूर रहने का आग्रह किया और कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वे राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे। भुवनेश्वर में 'नमो युवा दौड़' की शुरुआत करते हुए माझी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नशा मुक्त भारत का आह्वान युवाओं को जागरुक करेगा।

मुख्यमंत्री ने 'नमो युवा दौड़' को शुरु करते हुए नशामुक्त राष्ट्र का संदेश दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के अनेक संकल्पों ने देश की अनेक समस्याओं का समाधान किया है। गरीबी अब अपने न्यूनतम स्तर पर है। हम हर गांव तक बिजली और पेयजल पहुंचा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्टैंड अप इंडिया जैसी योजनाएं देश को आत्मनिर्भरता के पथ पर आगे ले जा रही हैं। माझी ने युवाओं से शराब, धूम्रपान या नशे की लत से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि यह न केवल एक व्यक्ति को बर्बाद करता है बल्कि परिवारों को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने कहा, नशे की लत पढ़ाई में असफलता, स्वास्थ्य पर बुरा असर और आपराधिक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देती है। नशे में डूबा युवा अपने माता-पिता के सपनों को चकनाचूर कर समाज और देश के लिए बोझ बन जाता है। माझी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी ऊर्जा का नकारात्मक उपयोग करने के बजाय इसका पूरा उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें।

केंद्रीय मंत्री ने नशा मुक्त बंगाल का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कोलकाता में रविवार को 'नमो युवा दौड़' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और पश्चिम बंगाल को नशामुक्त बनाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में 15 दिनों तक जारी रहने वाले कार्यक्रम के हिस्से के रूप में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा आयोजित दो किलोमीटर की दौड़ शिमला स्ट्रीट स्थित स्वामी विवेकानंद के आवास के बाहर से शुरू हुई और इसका समापन श्यामबाजार में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के पास हुआ। करीब एक हजार से अधिक युवाओं ने इस दौड़ में भाग किया जबकि मजूमदार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता राहुल सिन्हा के साथ इसमें हिस्सा लिया।

शिक्षा राज्य मंत्री मजूमदार ने कहा, हम एक नशा मुक्त बंगाल चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य के युवा समुदाय का एक वर्ग नशे की गिरफ्त में जा रहा है।

उज्जैन स्टेशन पर सेना की विशेष ट्रेन में लगी आग

उज्जैन/भाषा। मध्यप्रदेश के उज्जैन रेलवे स्टेशन पर ट्रकों से लदी सेना की एक विशेष ट्रेन में रविवार सुबह आग लग गई हालांकि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे प्लेटफॉर्म संख्या एक और दो के बीच से गुजरने वाली रेल लाइन पर उस समय हुई, जब एक बोगी में लदे ट्रकों को ढकने वाले तिरपाल में आग लग गई।

अधिकारी ने बताया कि स्टेशन के बचाव दल, दमकल की गाड़ियों और अन्य उपकरणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। उज्जैन आरपीएफ के निरीक्षक नरेंद्र यादव ने बताया कि भोपाल-जोधपुर सेना की विशेष मालगाड़ी में लदे एक ट्रक में संभावित तकनीकी खराबी के कारण आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग से जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। रेलवे कर्मचारियों ने प्लेटफॉर्म एक और दो पर मौजूद यात्रियों को निकाला जबकि आने वाले यात्रियों को गेट पर रोक लिया गया। यादव ने बताया कि करीब 30 मिनट में स्थिति सामान्य हो गई। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीणा ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रक के अंदर कुछ ज्वलनशील पदार्थ के कारण आग लगी थी।

नीतीश सरकार ने चुनाव से पहले कई योजनाओं की घोषणा की, विपक्ष ने बताया 'नकल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने कई नई योजनाओं की घोषणा की हालांकि विपक्ष ने आरोप लगाया कि 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 'इंडि' गठबंधन के वादों की नकल कर रहे हैं। विपक्ष के 200 यूनिट मुफ्त बिजली के वादे के खिलाफ नीतीश कुमार ने हर महीने 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने रविवार को कहा कि गांवों में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने और लाभार्थी बनाने वाले 10,000 से अधिक 'विकास मित्रो' को टैब खरीदने के लिए 25,000 रुपए की एकमुश्त सहायता दी जाएगी। नीतीश ने कहा कि विकास मित्रो का परिवहन भत्ता भी 1,900 रुपए से बढ़ाकर 2,500 रुपए प्रति माह और स्टेशनरी भत्ता 900 रुपए से बढ़ाकर 1,500 रुपए प्रति माह कर दिया गया। सरकार ने यह भी तय किया कि महादलित, अल्पसंख्यक और अति पिछड़े वर्ग के बच्चों को औपचारिक शिक्षा से जोड़ने वाले 30,000 से अधिक 'शिक्षा सेवकों' और 'तालीमी मरकज' को स्मार्टफोन खरीदने के लिए 10,000 रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले जून में सरकार ने बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजनों की पेंशन 700 रुपए प्रतिमाह बढ़ा दी थी। मुख्यमंत्री ने 11 जुलाई को 1.11 करोड़ लाभार्थियों के खातों में प्रतिमाह 1100 रुपए की बढ़ी हुई पेंशन राशि भी भेजी थी। सरकार का एक और बड़ा फैसला बेरोजगार युवाओं के लिए भत्ता देने का रहा। सरकार ने कहा कि स्नातक और 12वीं पास बेरोजगार युवाओं को दो वर्षों तक 1,000 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे।

'मुफ्त राशन और सस्ते मोबाइल फोन का श्रेय रामविलास पासवान को'

पूर्णिया/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को दावा किया कि गरीबों को हर महीने पांच किलोग्राम राशन और मोबाइल फोन 'बैंगन के भाव' मिलने का श्रेय उनके दिवंगत पिता रामविलास पासवान को जाता है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह बात बिहार के पूर्णिय जिले में पार्टी द्वारा आयोजित 'नव संकल्प सभा' में कही।

हाजीपुर से सांसद चिराग ने कहा, मुझे इस बात का गर्व है कि मैं ऐसे नेता की संतान हूं, जिन्होंने विभिन्न केंद्रीय मंत्रालय में रहते हुए बिहार और उसके लोगों के लिए हर संभव कार्य किया। मुझे इस पर भी गर्व है कि उनकी दूरदृष्टि का ही परिणाम है कि आज देश के 81 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न मिल रहा है। पासवान 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' का उल्लेख कर रहे थे, जिसकी शुरुआत कोविड-19 महामारी के दौरान 2020 में हुई थी। उस समय उनके दिवंगत पिता उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री थे। उन्होंने अपने पिता के पहले के कार्यकाल की भी चर्चा की, जब वह दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री थे। चिराग ने कहा, आज मुझे गर्व होता है कि हर नौजवान के हाथ में मोबाइल है।

नए वकीलों को तीन साल तक प्रतिमाह पांच हजार रुपए का मिलेगा वजीफा : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए नए अधिवक्ताओं को तीन वर्षों तक प्रतिमाह पांच हजार रुपए का वजीफा (स्टाइपेंड) देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

इस योजना का लाभ एक जनवरी 2024 से नामांकित सभी अधिवक्ताओं को मिलेगा।

चौधरी ने बताया कि वजीफे का भुगतान बिहार राज्य बार काउंसिल के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसके साथ ही अधिवक्ता संघों द्वारा अनुरोध किए जाने पर उन्हें 'ई-लाइब्रेरी' स्थापित करने के लिए पांच लाख रुपए की एकमुश्त सहायता दी जाएगी। चौधरी ने कहा कि बिहार अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति को सहायता के रूप में 30 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्राट ने कहा आयकर दायरे से बाहर न आने वाले अधिवक्ताओं को मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता संघों में महिला वकीलों के लिए 'पिंक टॉयलेट' (महिला शौचालय) की व्यवस्था की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार न्यायिक प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अगर वकीलों, अधिकारियों और कर्मचारियों को समुचित संसाधन, आधारभूत सुविधाएं और बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाए, तो आम लोगों को समयबद्ध और प्रभावी न्याय दिलाना संभव होगा।

चौधरी ने कहा कि इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बिहार सरकार ने अधिवक्ताओं के कल्याण से जुड़े ये अहम फैसले लिए हैं।

तेजस्वी की 'बिहार अधिकार यात्रा' में मोदी की दिवंगत मां को फिर दी गई गालियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी तेज होने के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को आरोप लगाया कि राजद नेता तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान उनके समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां को गालियां दीं। पिछले महीने प्रदेश के दरभंगा जिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के लिए बनाए गए मंच से एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री की दिवंगत मां के लिए कथित तौर पर अपशब्द कहे थे। भाजपा नेता और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने 'एक्स' हैंडल से एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, तेजस्वी यादव ने एक बार फिर मोदी जी की दिवंगत माता का अपमान किया है।

चौधरी ने लिखा, तेजस्वी ने बिहार की संस्कृति को फिर से तार-तार किया है। राजद कार्यकर्ता जितनी गालियां दे सकते थे, दे रहे थे और तेजस्वी उन्हें प्रोत्साहित कर रहे थे। बिहार की माताएं-बहनें इस गुंडागर्दी वाली मानसिकता और अभद्र व्यवहार का हिसाब जरूर करेंगी। भाजपा नेता ने आगे कहा, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र का बड़ा अपमान है। क्या अब माताओं और बहनों का अपमान करना विपक्षी दलों की संस्कृति और हथियार बन गया है? बिहार की जनता इस गंदी राजनीति को भली-भांति समझती है और लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी। प्रदेश के एक अन्य उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, तेजस्वी यादव की यात्रा के दौरान एक बार फिर प्रधानमंत्री जी की दिवंगत माता के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और राजद नेता अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा रहे थे यह चौंकाने वाला है। इससे उनकी मानसिकता उजागर होती है। चौधरी ने आगे कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र का घोर अपमान है। क्या माताओं-बहनों का अपमान करना उनकी संस्कृति और विपक्षी दलों को जवाब देने का हथियार बन गया है? बिहार की जनता इस गंदी राजनीति को अच्छी तरह समझती है और लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगी। हालांकि,सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि 'पीटीआई-भाषा' नहीं करता है। बार-बार प्रयास करने के बावजूद, राजद का कोई भी पदाधिकारी इस मुद्दे पर टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं हुआ। विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव (35) ने 16 सितंबर को जहानाबाद से 'बिहार अधिकार यात्रा' की शुरुआत की थी। यात्रा के पहले चरण में उन्होंने सत्तारूढ़ राजग का गढ़ माने जाने वाले जिलों, नालंदा (मुख्यमंत्री एवं जदयू सुप्रीमो नीतीश कुमार का गृह जिला) और बेगूसराय (भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का संसदीय क्षेत्र) का दौरा किया। यह चरण 20 सितंबर को वैशाली में समाप्त हुआ।

सपा नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र रच रही भाजपा : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खान समेत पार्टी के कई नेताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज कर परेशान करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि सरकार सपा नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र रच रही है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने इटावा में 'लॉयन सफारी' भ्रमण के बाद संवाददाताओं से बातचीत में प्रदेश की भाजपा सरकार पर राज्य को हर क्षेत्र में बर्बाद करने का आरोप भी लगाया और कहा कि अब इस सरकार की विदाई का समय निकट आ रहा है। उन्होंने सरकार पर सपा के नेताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज करने का आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा सरकार ने मोहम्मद आजम खान समेत समाजवादी पार्टी के कई नेताओं पर झूठे मुकदमे लगाए। उन्हें परेशान किया। सरकार समाजवादी पार्टी के नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र कर रही है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार एक तरफ 'टॉप टेन' अपराधियों की सूची तक नहीं बताती, वहीं दूसरी तरफ निर्दोष लोगों को झूठे मुकदमों में जेल भेजती है। उन्होंने दावा किया कि यह सरकार बहुत अन्याय और अत्याचार कर रही है तथा जनता सब देख रही है। आज थाने से लेकर हर जगह एक ही जाति के लोगों का बोलबाला है। भाजपा सरकार ने प्रदेश को हर क्षेत्र में बर्बाद कर दिया है। किसानों को खाद-बीज नहीं मिलता है। अस्पतालों में दवाएं नहीं है। बिजली नहीं आती है। बिल ज्यादा आता है। जनता को बिजली को लेकर बहुत शिकायतें हैं।

अखिलेश यादव की पार्टी जब भी सत्ता में आई, जंगल राज कायम रहा : ब्रजेश पाठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अखिलेश यादव की पार्टी सत्ता में जब भी आई, राज्य में जंगल राज कायम रहा।

उप्र में पुलिस मुठभेड़ पर सपा प्रमुख के आरोपों पर करारा प्रहार करते हुए पाठक ने कहा कि जब-जब अखिलेश यादव की पार्टी सत्ता में आई, उनकी सत्ता में गुंडे माफिया फले फूले, लेकिन जब हम सत्ता में आए तब गुंडे माफिया प्रदेश छोड़कर भागने पर मजबूर हो गए।

राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए पाठक ने कहा कि राहुल गांधी को स्वयं ही नहीं पता है कि वह कहां खड़े हैं और क्या करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्म दिवस से लेकर महात्मा गांधी की जयंती तक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है और आज देश भर में मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया है।

पाठक ने बताया कि मैराथन दौड़ में हजारों की तादाद में युवा अपनी भागीदारी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े में जन-जन की सेवा के तहत कार्य किया जा रहा है, जिसका फायदा सीधे तौर पर जनता को मिल रहा है।

प्रधानमंत्री जीएसटी व्यवस्था संशोधनों का 'पूर्ण श्रेय' लेने का दावा कर रहे हैं : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में किए गए संशोधनों का ''पूर्ण श्रेय'' लेने का आरोप लगाया और कहा कि मौजूदा सुधार अपर्याप्त हैं, तथा राज्यों की मुआवजे की अवधि को और पांच साल के लिए बढ़ाने की मांग का कोई समाधान नहीं किया गया है। विपक्षी दल ने सुधारों की आलोचना करते हुए कहा कि ये ''गहरे घाव देने के बाद मरहम लगाने जैसा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए ''संवैधानिक निकाय जीएसटी परिषद द्वारा जीएसटी व्यवस्था में किए गए संशोधनों का पूर्ण श्रेय लेने का दावा'' किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से यह तर्क देती रही है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ''विकास को अवरुद्ध करने वाला एक कर'' रहा है। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह बड़ी संख्या में कर श्रेणियों वाली व्यवस्था, आम उपभोग की वस्तुओं पर 'दंडात्मक' कर दरों, बड़े पैमाने पर कर चोरी और गलत वर्गीकरण, महंगे अनुपालन बोझ और एक उलट शुल्क ढांचे (इनपुट की तुलना में आउटपुट पर कम कर) से ग्रस्त है। कांग्रेस नेता ने कहा, हम जुलाई 2017 से ही जीएसटी 2.0 की मांग कर रहे हैं। यह 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए हमारे न्याय पत्र में किया गया एक प्रमुख वादा था। रमेश ने दावा किया कि मौजूदा जीएसटी सुधार अपर्याप्त हैं और इसमें कई लंबित मुद्दे हैं, जिनमें अर्थव्यवस्था में प्रमुख रोजगार सृजनकर्ता एमएसएमई की व्यापक चिंताएं भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, प्रमुख प्रक्रियागत परिवर्तनों के अलावा, इसमें अंतरराज्यीय आपूर्तियों पर लागू होने वाली सीमाओं को और बढ़ाना भी शामिल है। रमेश ने दावा किया कि कपड़ा, पर्यटन, हस्तशिल्प और कृषि जैसे क्षेत्रों के मुद्दे भी हैं, जिनसे निपटना जरूरी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्यों को राज्य-स्तरीय जीएसटी लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि बिजली, शराब, पेट्रोलियम और रियल एस्टेट को भी इसमें शामिल किया जा सके।

रमेश ने कहा, सहकारी संघवाद की सच्ची भावना से राज्यों की प्रमुख मांग यानी उनके राजस्व की पूरी तरह से रक्षा के लिए मुआवजे को पांच साल और बढ़ाने की मांग- अभी तक अनसुलझी है।

केंद्र जीएसटी दरें घटाने का अनुचित श्रेय ले रहा : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को दावा किया कि केंद्र जीएसटी दरें कम करने का अनुचित श्रेय ले रहा है, जबकि यह पहल राज्य ने की थी। उनका यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन में दिए उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सोमवार को नवरात्र के पहले दिन से ''जीएसटी बचत उत्सव'' शुरू होगा, जो आयकर छूट के साथ मिलकर अधिकांश लोगों के लिए ''डबल बोनैंजा'' होगा। प्रधानमंत्री का नाम लिए बिना बनर्जी ने कहा, हम 20,000 करोड़ रु. का राजस्व खो रहे हैं, हालांकि हम जीएसटी कम होने से खुश हैं। लेकिन आप (मोदी) इसका श्रेय क्यों ले रहे हैं? हमने जीएसटी की दरें घटाने की मांग की थी। केंद्रीय वित्त मंत्री (निर्मला सीतारमण) के साथ जीएसटी परिषद की बैठक में हमारा यही सुझाव था।

सुविचार

मुनाफा का तो पता नहीं लेकिन बेचने वाले तो यादों को भी कारोबार बना कर बेच देते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जनता को राहत, अर्थतंत्र को नई ऊर्जा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में 'स्वदेशी से समृद्धि' का मार्ग दिखाया है। आज से संशोधित जीएसटी स्लैबों के लागू होने से आम आदमी के लिए राहत का नया द्वार भी खुल गया है। महंगाई से जूझ रही जनता के लिए ये कर सुधार कल्याणकारी शासन की अवधारणा को साकार करेंगे। पहले, यह शिकायत की जाती थी कि सरकार या तो कोई चीज सस्ती नहीं करती, अगर करती भी है तो दूसरी चीजों के दामों में इस तरह बढ़ोतरी कर देती है, जिससे जनता तक कोई स्पष्ट राहत नहीं पहुंचती। अब जीएसटी की नई दरों के लागू होने से दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली ज्यादातर चीजें सस्ती हो जाएंगी। प्रधानमंत्री ने सत्य कहा है कि 'देश में जीएसटी बचत उत्सव शुरू होने जा रहा है। इसमें आपकी बचत बढ़ेगी और अपनी पसंद की चीजों को और ज्यादा आसानी से खरीद पाएंगे ... त्योहारों के इस मौसम में सबका मुंह मीठा होगा, देश के हर परिवार की खुशियां बढ़ेंगी।' इन सुधारों से मांग में बढ़ोतरी होगी, उद्योग-धंधों का विस्तार होगा, रोजगार के अनेक अवसरों का सृजन होगा। ये सुधार भारत के अर्थतंत्र को नई ऊर्जा देंगे, इसकी रफ्तार बढ़ाएंगे। अब केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि सुधारों का लाभ हर नागरिक को मिले। महानगरों और शहरों में तो चीजों की कीमतों पर सबकी नजर रहती है। गांवों और दूर-दराज के इलाकों में कीमतें घटीं या नहीं - इसका ध्यान रखना होगा, क्योंकि देश की ज्यादातर आबादी गांवों में रहती है। अगर अब भी किसी सामान की ऊंची कीमतें वसूली जा रही हों या जीएसटी छूट का पूरा लाभ लोगों को नहीं दिया जा रहा हो तो सरकार को सख्ती दिखानी होगी।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में एक कंपनी से संबंधित जो दिलचस्प उदाहरण (सामान को बेंगलूरु से यूरोप, फिर हैदराबाद भेजने की घटना) पेश किया, उस पर युवा पीढ़ी को अचंभा हो सकता है। यह वास्तविकता है कि दशकों तक ऐसे कानून लागू रहे, जिन्होंने हमारे देश के विकास को अवरुद्ध किया। उस दौर में व्यापार शुरू करना, उसे चलाना बहुत टेढ़ी खीर था। टेलीफोन लगवाने, बैंक खाता खुलवाने जैसे कामों में ही कई दिन लग जाते थे। बैंक के जरिए धन का लेनदेन करना भी आसान नहीं था। गैस सिलेंडर लेने के लिए बहुत चक्कर लगाने पड़ते थे। लंबी-लंबी कतारों में धक्के खाने के बाद व्यक्ति कई बार यह सोचने को मजबूर हो जाता था कि 'मैंने व्यापार शुरू करके कोई अपराध तो नहीं कर दिया?' पिछले एक दशक में ये समस्याएं दूर हो गईं। हालांकि अभी कई सुधार करने बाकी हैं। सरकार को चाहिए कि वह व्यापार करना बिल्कुल आसान बना दे। इसके लिए एक विशेष अभियान चलाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी जिस तरह 'स्वदेशी' अपनाने का आह्वान कर रहे हैं, वह उसी स्थिति में फलीभूत हो सकता है, जब ज्यादा से ज्यादा युवा स्वरोजगार में दिलचस्पी दिखाएं। सरकारी नौकरी पाने के लिए जवानी के कई साल 'तैयारी, कोचिंग, टेस्ट और आंदोलन' में लगाने से तो यह होगा नहीं। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी में दी गई राहत आम जनता को ही लाभ नहीं पहुंचाएगी। व्यापारी वर्ग भी इससे लाभान्वित होगा। करों का सरलीकरण होने से उनके लिए कामकाज आसान हो जाएगा। वहीं, व्यापार को आगे बढ़ाने के अवसर ज्यादा होंगे। देश के युवाओं के लिए यह बहुत सुनहरा मौका है। जीएसटी सुधारों के बाद भविष्य में व्यापार में असीम संभावनाएं पैदा होंगी। केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उन बाकी अवरोधकों को भी हटा दे, जो व्यापार करने में मुश्किलें डालते हैं। नौकरशाही में व्याप्त भ्रष्टाचार एक बड़ा अवरोधक है। भारत को 'स्वदेशी' के रास्ते पर चलते हुए समृद्धि को प्राप्त करना ही होगा। इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है।

ट्वीटर टॉक

आज उदयपुर में स्व. श्री कन्हैयालाल के आवास पर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात की। हमारी कांग्रेस सरकार ने स्व. कन्हैयालाल के परिवार को 50 लाख रुपये आर्थिक सहायता एवं दोनों बेटों को सरकारी नौकरी दी थी जिससे इन्हें जीवनयापन करने में परेशानी न हो।

-अशोक गहलोत

मैं देश के कोटि-कोटि परिवारजनों को नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स की, और इस बचत उत्सव की बहुत बहुत बधाई देता हूं। ये रिफॉर्म्स भारत की ग्रोथ स्टोरी को एक्सलेरेट करेगी। कारोबार को और आसान बनाएंगे और हर राज्य को विकास की दौड़ में बराबरी का साथी बनाएंगे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

जो देश के लोगों की जरुरत का है... जो हम देश में ही बना सकते हैं... वो हमें देश में ही बनाना चाहिए। देश की स्वतंत्रता को जैसे स्वदेशी के मंत्र से ताकत मिली... वैसे ही देश की समृद्धि को भी स्वदेशी के मंत्र से ही शक्ति मिलेगी।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

सृजन की ख्याति

इंग्लैंड में एक बालक अपनी माताजी को किसी अनजान देश के अजीबोगरीब लोगों की बातें सुनाने लगा। उसकी मां प्रथम विश्वयुद्ध की विभीषिका से बुरी तरह प्रभावित थीं। परेशान मां ने उसके किस्सों को ठीक से नहीं सुना और आधे मन से उसकी झूठी तारीफ़ कर उसे टाल दिया। लेकिन वह भोला बच्चा अपनी मां पर पूरा विश्वास करता था। उसने अपनी कहानियों को लिखकर एक डायरी में संजोना शुरू कर दिया। वह रोज़ अनोखे बच्चों और उनके अनोखे कारनामों की कहानियां लिखता रहा। कई वर्षों बाद उसने वह डायरी अपने एक प्रकाशक मित्र को दिखाई। मित्र को कहानियां पसंद आईं और उन्होंने उन्हें प्रकाशित कर दिया। यह वह समय था जब दुनिया में द्वितीय विश्वयुद्ध का माहौल था चारों ओर डर, तनाव और विनाश का दौर। लेकिन इसी बीच उसकी कलम लगातार चलती रही। वह बच्चा आगे चलकर बना रोल्ड डाहल। बीसवीं सदी के सबसे अधिक पढ़े जाने वाले लेखकों में शामिल रोल्ड डाहल ने बच्चों के लिए अद्भुत कहानियां और उपन्यास लिखे। उनकी रचनाएं इतनी लोकप्रिय हुईं कि वे जल्द ही दुनिया भर की बेस्टसेलर सूचियों में शामिल हो गए।

सामयिक

अनंत रूपा और अनंतसामर्थ्य संपन्ना शक्ति

अशोक प्रवृद्ध

मोबाइल : 7631057837

पाश्चात्य विज्ञान के अनुसार एकीकृत आधार क्षेत्र से समस्त ऊर्जा का उद्भव होता है। वैदिक विज्ञान के अनुसार वह क्षेत्र शक्ति है। रीढ़ की हड्डी के मूल में स्थित कुंडलिनी ऊर्जा मानव चेतना में सुप्त अवस्था में ही रहती है। जागरूकता के साथ यह जागृत होती है और ऊपर उठती है। व्यक्तिगत आत्मा अर्थात जीवात्मा को परम आत्मा अर्थात परमात्मा से एकाकार करती है। यह किसी भी साधक के लिए उपलब्ध सबसे वास्तविक और अनुभवजन्य सत्य है। सूक्ष्म जगत में शक्ति प्राण है -जीवन शक्ति। स्थूल जगत में वह आकाशगंगा की गति और ब्लैक होल का चक्र है। वह पार्वती अर्थात पालनकर्ता, दुर्गा अर्थात रक्षक, काली अर्थात भ्रम का नाश करने वाली, सरस्वती अर्थात ज्ञान और लक्ष्मी अर्थात प्रचुरता इस रूप में प्रवाहित होती है।

परमात्मा, जीवात्मा व प्रकृति तीनों ही अनादि, अजन्मा हैं। ये सदैव विद्यमान रहते हैं। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को शक्ति माना, कहा और देवता की भांति पूजार्चना किया जाता है। शक्ति सदैव रहने वाली अर्थात आदिम, एकल ब्रह्मांडीय सक्रिय शक्ति है। वैदिक वचन, संहिताओं में निबद्ध और जागृत चेतना के माध्यम से अनुभव की जाने वाली शक्ति ब्रह्म की गतिशील अभिव्यक्ति है। यह परम सत्य है। यह सनातन प्राचीन सत्य है, जो ऋग्वेद से लेकर प्रत्येक परमाणु के भीतर कंपन करती ऊर्जा तक प्रतिध्वनित होता है। मान्यतानुसार शक्ति ईश्वर की कल्पित माया है। यह ईश्वर की आज्ञा से सब काम करने वाली और सृष्टि रचना करने वाली मानी जाती है। यह अनंतरूपा और अनंत सामर्थ्य संपन्ना है। यही शक्ति जगत रूप में व्यक्त होती है, और प्रलय काल में समग्र चराचर जगत को अपने में विलीन करके अव्यक्तरूपेण स्थित रहती है। यह जगत उसकी व्यवस्था का ही नाम है। ब्रह्मांडीय समझ के निरंतर विकसित होते क्षेत्र में यह एक सत्य सदैव अविचलित रहता है। श्रीमद्भगवद्गीता में इसी को योगमाया कहा गया है। यह योगमाया वही शक्ति है, जो व्यक्त और अव्यक्त रूप में हैं। श्रीकृष्ण योगेश्वर कहे गए हैं, वे योगमायामुवाश्रित: होकर ही अपनी लीला करते हैं। राधा उनकी आह्लादिनी शक्ति है। इसी तरह शिव शक्तिहीन होकर कुछ नहीं कर सकते। शक्तियुक्त शिव ही सब कुछ करने में, न करने में, अन्यथा करने में समर्थ होते हैं। शक्ति न सिर्फ एक दिव्य स्त्री सत्ता है, अपितु वह सृजन, पालन और संहार का स्रोत भी है। भारतीय संस्कृति में उसे देवी कहा गया है। उसे माता समान पूजा- अर्चना किया जाता है। समस्त भारतीय ग्रंथों में किसी न किसी नाम, रूप से इसकी चर्चा अवश्य है। पुराणों में विभिन्न देवताओं की विभिन्न शक्तियों के संबंध में विशद वर्णन अंकित हैं। इन शक्तियों को प्राय: देवी के रूप में और मूर्तिमती माना गया है। जैसे- विष्णु की वैष्णवी, कीर्ति, कांति, तुष्टि, पुष्टि आदि तथा रुद्र की रुद्राणी, गुणोदरी, गोमुखी, दीर्घजिह्वा, ज्वालामुखी आदि। मार्कण्डेयपुराण के अनुसार समस्त देवताओं की तेजोराशि देवी शक्ति के रूप में कही गई है, जिसकी शक्ति वैष्णवी, माहेश्वरी, ब्रह्माणी, कौमारी, नारसिंही, इंद्राणी, वाराही आदि हैं। पुराणों में उन देवों के स्वरूप और गुणादि से युक्त इनका वर्णन प्राप्त होता है।

शक्ति संस्कृत मूल शब्द शक (शक) से व्युत्पन्न है, जिसका अर्थ है -सक्षम होना। शक्ति ब्रह्मांडीय क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है। वह ब्रह्मांड की सक्रिय शक्ति है, जो पुरुष अथवा स्त्री की सीमाओं से परे है। द्वैत से परे की शक्ति। ऊर्जा को पदार्थ से अलग करने वाले पाश्चात्य विचार के विपरीत वैदिक ज्ञान दोनों को शक्ति में विलीन कर देता है। चेतना की ऊर्जा अर्थात- चित शक्ति, जो स्वयं ब्रह्मांड को शक्ति प्रदान करती है। शक्ति ब्रह्म की श्वास, शाश्वत की इच्छा और ब्रह्मांडीय सामंजस्य की लय है। शक्ति वह विलक्षण सत्य है, जिसे अनगिनत नामों से जाना जाता है, परंतु एक असीम शक्ति के रूप में अनुभव किया जाता है। शक्ति ब्रह्मांड की धड़कन है। शक्ति को पहचानना अपने भीतर ब्रह्मांड की धड़कन को जागृत करना है। वह कल्पना नहीं है, रूपक नहीं है, कोई सांस्कृतिक आविष्कार नहीं है। वह स्वयं वास्तविकता है, जो ऊर्जा, पदार्थ, ध्वनि और चेतना के रूप में अभिव्यक्त होती है। शब्द के अंतर्निहित अर्थ को व्यक्त करने का व्यापार शब्दशक्ति नाम से अभिहित है, और शब्दशक्ति का व्यापार करने वाले लोगों को शब्द शक्ति के व्यापारी कहा जाता है। ये व्यापार तीन प्रकार के कहे गए हैं – अभिधा, लक्षणा और व्यंजना। आचार्यों ने इसे शक्ति और वृत्ति नाम से कहा है। घट, कलश के निर्माण में मिट्टी, चक्र, दंड, कुदाल आदि कारण हैं, और चक्र का घूमना शक्ति अथवा व्यापार है। अभिधा, लक्षणा आदि व्यापार शक्तियां हैं। मम्मट आदि कुछ विद्वानों ने व्यापार शब्द का प्रयोग किया है, तो कुछ अन्य ने शक्ति का। प्राचीन विद्वानों के अनुसार शक्ति में ईश्वरेच्छा के रूप में शब्द के निश्चित अर्थ के संकेत को माना गया है। बाद में इच्छामात्र को शक्ति माना गया, अर्थात मनुष्य की इच्छा से भी शब्दों के अर्थसंकेत की परंपरा को माना जाने लगा। तर्कदीपिका नामक ग्रंथ में शक्ति को शब्द अर्थ के उस संबंध के रूप में स्वीकार किया गया है, जो मानस में अर्थ को व्यक्त करता है। मानस अर्थात मन में, मन से। तर्कदीपिका के इस अर्थ रूप को आधार बनाकर वर्तमान में यह शब्दशक्ति का व्यापार अभिधा, लक्षणा और व्यंजना, तीनों ही रूपों में अपना कार- बार- व्यापार लोगों के सिर चढ़कर दिखलाने लगा है, जिसकी महिमा का वर्णन सहस्त्रों मुख वाले शेषनाग से भी संभव नहीं है।

शक्ति की यह अवधारणा अत्यंत प्राचीनकाल से भारत में विद्यमान है। देवी सूक्त के रूप में प्रख्यात ऋग्वेद 10/125/1-8 में शक्ति की अवधारणा और उसकी सर्वशक्तिमान उपस्थिति का झलक मिलता है-

अहं रुद्रेभिर्वसुभीश्चराम्यहमादित्यैरुत विश्वदेवैः।
अहं मित्रवरुणोभा बिभर्म्याहमिन्द्राग्नि
अहमश्विनोभा।।

अर्थात- मैं रुद्रों, वसुओं, आदित्यों और सभी देवताओं के साथ विचरण करती हूं। मैं मित्र और वरुण, इंद्र और अग्नि तथा जुड़वां अश्विनौ दोनों को सर्वोच्च मानती हूं।

मंत्रद्रष्टा ऋषिका द्वारा स्त्री रूप में उच्चारित यह मंत्र कोई एक अलग देवता के रूप में नहीं, बल्कि सार्वभौमिक शक्ति के अवतार के रूप में कहा गया है। इस सूक्त के अनुसार सभी देवता उसके माध्यम से शक्ति प्राप्त करते हैं। शक्ति के बिना वे जड़ हैं। वैदिक मतानुसार सब कुछ शक्ति है। श्वेताश्वतर उपनिषद के अनुसार देवी ही एकमात्र ऐसी हैं, जो संसार को जन्म दे सकती हैं और उसे स्वयं में विलीन कर सकती हैं। ऋग्वेद 1/164/46 के अनुसार सर्वोच्च देवता भी देवी को परम शक्ति के रूप में पूजते हैं।

पाश्चात्य विज्ञान के अनुसार एकीकृत आधार क्षेत्र से समस्त ऊर्जा का उद्भव होता है। वैदिक विज्ञान के अनुसार वह क्षेत्र शक्ति है। रीढ़ की हड्डी के मूल में स्थित कुंडलिनी ऊर्जा मानव चेतना में सुप्त अवस्था में ही रहती है। जागरूकता के साथ यह जागृत होती है और ऊपर उठती है। व्यक्तिगत आत्मा अर्थात जीवात्मा को परम आत्मा अर्थात परमात्मा से एकाकार करती है। यह किसी भी साधक के लिए उपलब्ध सबसे वास्तविक और अनुभवजन्य सत्य है। सूक्ष्म जगत में शक्ति प्राण है -जीवन शक्ति। स्थूल जगत में वह आकाशगंगा की गति और ब्लैक होल का चक्र है। वह पार्वती अर्थात पालनकर्ता, दुर्गा अर्थात रक्षक, काली अर्थात भ्रम का नाश करने वाली, सरस्वती अर्थात ज्ञान और लक्ष्मी अर्थात प्रचुरता इस रूप में प्रवाहित होती है। लेकिन सबसे बढ़कर वह आदि शक्ति हैं, बिना किसी शर्त के और निरपेक्ष। आधुनिक भौतिकी विज्ञान के अनुसार ऊर्जा और पदार्थ परस्पर विनिमय योग्य हैं। वैदिक मतानुसार शिव चेतना हैं और शक्ति ऊर्जा है, दोनों अविभाज्य हैं। जब कोई कण क्वांटम निर्वात से प्रकट होता है, तो यह दर्शाता है कि शक्ति किस प्रकार शून्यता से संसार को प्रकट करती है। तंत्र में यह केवल प्रतीकात्मक नहीं है, यह वैज्ञानिक अध्यात्मवाद है।

बाहरी गतिविधियों और डिजिटल भ्रमों के प्रभुत्व वाले युग में मनुष्य अपनी आंतरिक शक्ति से विमुख हो गए हैं। अवसाद, तनाव और असंतोष इस बात के संकेत हैं कि हमारी जीवनशक्ति को पुनः जुड़ने की आवश्यकता है। इसलिए शक्ति का आह्वान और सम्मान करके मनुष्य को आध्यात्मिक प्राणियों के रूप में अपनी संप्रभुता पुनः प्राप्त करना, आंतरिक शक्ति और उद्देश्य तथा प्राकृतिक सामंजस्य के साथ पुनः जुड़ना चाहिए, क्योंकि जहां शक्ति है, वहां ही स्पष्टता, साहस और सचेत सृजन है। मनुष्य के अंतर में शक्ति को जगाने का मार्ग है, इसके लिए किसी मंदिर जाने या अनुष्ठान की आवश्यकता नहीं है। शक्ति श्वास, जागरूकता और संकल्प में है। उसे जागृत करने का मार्ग योग, साधना, ध्यान में है। इसके लिए कुंडलिनी कुंडलित होने वाली मूलाधार चक्र पर ध्यान करते हुए वैदिक मंत्रों की ध्वनि से उसका आह्वान करना चाहिए। पौराणिक व शाक्तीय जन 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे' जैसी ध्वनियों से उसका आह्वान करते हैं। निस्वार्थ कर्म सार्वभौमिक शक्ति से जोड़ता है। इसलिए तंत्र और योग के माध्यम से सूक्ष्म ऊर्जाओं को सक्रिय करना और चेतना को रूपांतरित करना उत्तम है। वैदिक ज्ञान इस ब्रह्मांडीय सत्य पर आधारित है कि शक्ति वह विलक्षण ब्रह्मांडीय शक्ति है जो जीवित है, सांस लेती है और संसार को रूपांतरित करती है। उसके साथ पुनः जुड़कर अस्तित्व की शाश्वत ज्योति के साथ पुनः जुड़ जाने का अहसास किया जा सकता है।

नजरिया

महान राजा और समाज सुधारक थे महाराजा अग्रसेन

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

महान राजा और समाज सुधारक महाराजा अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष अग्रसेन जयंती मनाई जाती है। जिन्होंने अग्रवाल समुदाय की स्थापना की और समाज के लिए समानता, सामाजिक कल्याण, और भाईचारे के सिद्धांतों को बढ़ावा दिया। इस दिन को उनके विचारों और आदर्शों के प्रति समर्पण दर्शाने और सामुदायिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से उनके संदेश को फैलाने के लिए मनाया जाता है। महाराजा अग्रसेन का जन्म अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को महाराजा वल्लभ सेन के घर हुआ था। जिसे दुनिया भर में अग्रसेन जयंती के रूप में मनाया जाता है। राजा वल्लभ के अग्रसेन और शूरसेन नामक दो पुत्र हुये थे। अग्रसेन महाराज वल्लभ के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराज वल्लभ से कहा था कि यह बालक बहुत बड़ा राजा बनेगा। इस के राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदय होगी और हजारों वर्ष बाद भी इनका नाम अमर होगा। उनके राज में कोई दुखी या लाचार नहीं था। बचपन से ही वे अपनी प्रजा में बहुत लोकप्रिय थे।

महाराजा अग्रसेन ने शासन प्रणाली में एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया था। उन्होंने वैदिक सनातन आर्य सस्कृंति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य में कृषि-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की स्थापना की थी। महाराजा अग्रसेन एक कर्मयोगी थे जिन्होंने सभी के लिए समृद्धि की कामना की। उन्होंने अहिंसा का आदर्श अपनायाजिसमें उन्हें पशु बलि की निरर्थकता का एहसास हुआ। इस अहसास ने उन्हें 'अहिंसा' के सशक्त नायकों में से एक बना दिया।उन्होंने सभी जानवरों की बलि पर प्रतिबंध लगा दिया। हालाँकि अहिंसा में उनके विश्वास का मतलब उत्पीड़न का विरोध न करना नहीं था बल्कि उन्होंने आत्मरक्षा को बढ़ावा दिया। उनके अनुसार आत्मरक्षा और राष्ट्ररक्षा केवल क्षत्रियों - योद्धा जाति का कार्य नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपनी मातृभूमि की रक्षा करे।

महाराजा अग्रसेन भगवान राम के वंशज और भगवान श्रीकृष्ण के समकालीन थे। वे राजा राम के पुत्र कुश की 34वीं पीढ़ी की संतान थे।महाराजा अग्रसेन को अहिंसा के प्रतीक, शांति के दूत के रूप में जाना जाताहै।महाराजा अग्रसेन त्याग, करुणा, अहिंसा, शांति, समृद्धि के अवतार और एक सच्चे समाजवादी थे।महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना हेतु उन्होंने नियम बनाया था कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले प्रत्येक परिवार की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक परिवार उसे एक सिक्का व एक ईंट देगा। जिससे आने वाला परिवार स्वयं के लिए मकान व व्यापार का प्रबंध कर सके। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की छोटी-छोटी मदद से समान समाज में बराबरी का दर्जा प्राप्त किया जा सकता है। महाराजा अग्रसेन एक सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा थे। जिन्होंने प्रजा की भलाई के लिए वणिक धर्म अपना लिया था। महाराज अग्रसेन ने नाग लोक के राजा कुमद के यहां आयोजित स्वंयवर में राजकुमारी माधवी का वरण किया। इस विवाह से नाग एवं आर्य कुल का नया गठबंधन हुआ। माता लक्ष्मी की कृपा से श्री अग्रसेन के 18 पुत्र हुए। राजकुमार विभु उनमें सबसे बड़े थे। महर्षि गर्ग ने महाराजा अग्रसेन को 18 पुत्र के साथ 18 यज्ञ करने का संकल्प करवाया। माना जाता है कि यज्ञों में बैठे 18 गुरुओं के नाम पर ही अग्रवंश की स्थापना हुई। ऋषियों द्वारा प्रदत्त अठारह गोत्रों को महाराजा अग्रसेन के 18 पुत्रों के साथ उनके द्वारा बसायी 18 बस्तियों के निवासियों ने भी धारण कर लिया। एक बस्ती के साथ प्रेम भाव बनाये रखने के लिए एक सर्वसम्मत निर्णय हुआ कि अपने पुत्र और पुत्री का विवाह अपनी बस्ती में नहीं दूसरी बस्ती में करेंगे। आगे चलकर यह व्यवस्था गोत्रों में बदल गई जो आज भी अग्रवाल समाज में प्रचलित है।

महाराजा वल्लभ के निधन के बाद अपने नए राज्य की स्थापना के लिए महाराज अग्रसेन ने अपनी रानी माधवी के साथ सारे भारतवर्ष का भ्रमण किया। इसी दौरान उन्हें एक जगह शेर तथा भेडिये के बच्चे एक साथ खेलते मिले। उन्हें लगा कि यह दैवीय संदेश है जो इस वीरभूमि पर उन्हें राज्य स्थापित करने का संकेत दे रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रेयगण रखा गया जिसे अग्रोहा नाम से जाना जाता है। वह जगह आज के हरियाणा के हिसार के पास हैं। आज भी यह स्थान अग्रहरि और अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ के समान है। यहां महाराज अग्रसेन और मां लक्ष्मी देवी का भव्य मंदिर है।

उन्होंने परिश्रम और उद्योग से धनोपार्जन के साथ-साथ उसका समान वितरण और आय से कम खर्च करने पर बल दिया। जहां एक ओर वैश्य जाति को व्यवसाय का प्रतीक तराजू प्रदान किया वहीं दूसरी ओर आत्म-रक्षा के लिए शस्त्रों के उपयोग की शिक्षा पर भी बल दिया। उस समय यज्ञ करना समृद्धि, वैभव और खुशहाली की निशानी माना जाता था। महाराज अग्रसेन ने बहुत सारे यज्ञ किए। महाराज अग्रसेन ने 108 वर्षों तक राज किया। महाराज अग्रसेन ने एक ओर हिन्दू धर्म ग्रंथों में वैश्य वर्ण के लिए निर्देशित कर्म क्षेत्र को स्वीकार किया और नए आदर्श स्थापित किए। उनके जीवन के मूल रूप से तीन आदर्श हैं- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता एवं सामाजिक समानता। महाराजा अग्रसेन पर अनगिनत पुस्तके लिखी जा चुकी हैं। सुप्रसिद्ध लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र जो खुद भी अग्रवाल समुदाय से थे। उन्होने 1871 में अग्रवालों की उत्पत्ति नामक एक प्रामाणिक ग्रंथ लिखा है। जिसमें विस्तार से इनके बारे में बताया गया है। 24 सितंबर 1976 में भारत सरकार द्वारा 25 पैसे का डाक टिकट महाराजा अग्रसेन के नाम पर जारी किया गया था। सन 1995 में भारत सरकार ने दक्षिण कोरिया से 350 करोड़ रुपये में एक विशेष तेल वाहक पोत (जहाज) खरीदा जिसका नाम महाराजा अग्रसेन रखा गया। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 10 का आधिकारिक नाम महाराजा अग्रसेन पर है।

आज का अग्रोहा ही प्राचीन ग्रन्थों में वर्णित अग्रवालों का उद्गम स्थान आग्रेय है। अग्रोहा हिसार से 20 किलोमीटर दूर महाराजा अग्रसेन राष्ट्र मार्ग संख्या 10 के किनारे एक साधारण गांव के रूप में स्थित है। जहां पांच सौ परिवारों की आबादी रहती है। इसके समीप ही प्राचीन राजधानी अग्रेह (अग्रोहा) के अवशेष के रूप में 650 एकड भूमि में फैला महाराजा अग्रसेन धाम हैं। जो महाराज अग्रसेन के अग्रोहा नगर के गौरव पूर्ण इतिहास को दर्शाता हैं।

आज भी यह स्थान अग्रवाल समाज में पांचवे धाम के रूप में पूजा जाता है। अग्रोहा विकास ट्रस्ट ने यहां पर बहुत सुंदर मन्दिर, धर्मशालाएं आदि बनाकर यहां आने वाले अग्रवाल समाज के लोगो के लिए बहुत सुविधायें उपलब्ध करवायी है। इतिहास में महाराज अग्रसेन परम प्रतापी, धार्मिक, सहिष्णु, समाजवाद के प्रेरक महापुरुष के रूप में उल्लेखित हैं। देश में जगह-जगह महाराजा अग्रसेन के नाम पर बनायी गयी स्कूल, अस्पताल, बावड़ी, धर्मशालाएं आदि महाराजा अग्रसेन के जीवन मूल्यों का आधार हैं। जो मानव आस्था के प्रतीक हैं। पांच हजार वर्ष पहले महाराज अग्रसेन द्वारा प्रतिपादित समानता, समाजवाद और अहिंसा के विचार भारत के वर्तमान संविधान की भावना हैं। लेकिन हम भारतीय इन आदर्शों को अपने जीवन में नहीं उतार पाए हैं। वे हमारे संविधान में केवल शब्द बनकर रह गए हैं। अब यह हम पर निर्भर है कि हम अपने पूर्वज को श्रद्धांजलि के रूप में इन आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। महाराजा अग्रसेनजी ने हमें व्यापार और आर्थिक विकास के सिद्धांत दिए थे। वहीं वैदिक धर्म, संस्कृति और आदर्शों का पालन करते हुए समाज के सभी वर्ग के लोगों की उन्नति के लिए समान अवसरों के निर्माण पर भी उन्होंने जोर दिया था।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

नमो दौड़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर रविवार को दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा द्वारा नई दिल्ली स्थित रग्बी स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'नमो युवा दौड़' में लोग शामिल हुए।

पौराणिक कथाओं में महिलाओं की आवाज को शामिल किया जाना चाहिए : वोल्गा

नई दिल्ली/भाषा। तेलुगु लेखिका और नारीवादी विचारक ललिता कुमारी का कहना है कि भारतीय पौराणिक कथाओं को उन महिलाओं की आंतरिक दुनिया को प्रतिबिंबित करने के लिए फिर से सुनाए जाने की आवश्यकता है, जिन्हें ऐतिहासिक रूप से नजरअंदाज किया गया है।

साहित्य जगत में अपने उपनाम 'वोल्गा' से लोकप्रिय ललिता कुमारी ने पीटीआई.भाषा से बात करते हुए कहा, यह पौराणिक कथाओं को चुनौती देने के बारे में नहीं है, बल्कि इसे दूसरों के नजरिए से देखने के बारे में है।

'' ये कहानियां पारंपरिक रूप से पुरुषों के नजरिए से कही जाती रही हैं, जबकि महिलाओं को आदर्श माना जाता था और उनकी पूजा की जाती थी, लेकिन उनके अंतर्मन को नजरअंदाज कर दिया गया।

'द लिबरेशन ऑफ सीता' की लेखिका ने आगे कहा, मैं वाल्मीकि और व्यास का बहुत सम्मान करती हूं, वे अद्भुत लेखक थे। मेरा प्रयास समकालीन परिस्थितियों को लागू करके इन कहानियों को फिर से कहना और यह पता लगाना है कि महिलाएं कैसे रहती थीं और कैसा महसूस करती थीं।

हार्पर कॉलिन्स द्वारा प्रकाशित उनकी नवीनतम पुस्तक रामायण के एक पात्र शबरी पर केंद्रित है जिसका उल्लेख केवल चार 'श्लोकों' में किया गया है।

वोल्गा ने कहा कि वह शबरी की भक्ति और भगवान राम के लिए उनकी प्रतीक्षा के पीछे की भावनात्मक गहराई से प्रभावित थीं।

लेखिका ने कहा, पूरे वन का वर्णन सैकड़ों श्लोकों में किया गया है, लेकिन शबरी के बारे में केवल चार श्लोक हैं। उन्हें राम के प्रति उनकी चाहना और भक्ति के लिए याद किया जाता है, लेकिन मैं उनकी पृष्ठभूमि – एक वनवासी के रूप में उनके संघर्ष, उनकी पीड़ा और उनके गुरु, जो एक अछूत समुदाय से थे और एक ऋषि बन गए – के बारे में जानना चाहती थी।

वोल्गा ने प्रसिद्ध कृति द लिबरेशन ऑफ सीता के महाकाव्य का नारीवादी पुनर्कथन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी व्याख्याओं के लिए कभी भी धमकी या सेंसरशिप का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं इन ग्रंथों के प्रति कभी अनादर या उन्हें चुनौती नहीं देती। यहां तक कि जब मैंने सूर्पणखा को एक सुंदर द्रविड़ स्त्री के रूप में चित्रित किया, तब भी पाठकों ने किसी प्रकार से आहत महसूस नहीं किया। मेरा लेखन पाठकों को इन पात्रों से प्रेम करने और उनकी आंतरिक गहराइयों को समझने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, वाल्मीकि द्वारा पहली रामायण लिखे जाने के बाद, विभिन्न भाषाओं में इसके सैकड़ों संस्करण आए, जिनमें से प्रत्येक में नई कहानियां जोड़ी गईं। यह महाकाव्य वास्तव में कभी समाप्त नहीं होता। मेरा काम इसी सतत परंपरा का हिस्सा है, बस इसे एक नए दृष्टिकोण से बताया गया है।

वोल्गा ने कर्नाटक में दशहरा समारोह में बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए जाने से जुड़े विवाद (यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है) पर कहा,ऐसे विवाद बढ़ते राजनीतिकरण को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, आजकल हर चीज राजनीतिक होती जा रही है। बानू मुश्ताक को ही यह तय करना है कि वह निमंत्रण स्वीकार करें या नहीं, जबकि उन्हें आमंत्रित करने वालों को भी ऐसा करने का अधिकार है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, और हर नागरिक के अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए।

बगराम वायुसेना अड्डे पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने के ट्रंप के दावे को तालिबान ने किया खारिज

जलालाबाद (अफगानिस्तान) /एपी। तालिबान सरकार ने बगराम वायुसेना अड्डे पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को रविवार को खारिज कर दिया। चार साल पहले आनन-फानन में अमेरिका के अफगानिस्तान से निकलने के बाद सैन्य अड्डे पर तालिबान ने कब्जा कर लिया था।

यद्यपि यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि सैन्य अड्डा अमेरिका को सौंपने को लेकर अमेरिकी अधिकारियों की अफगानिस्तान के अधिकारियों से क्या बातचीत हुई है, लेकिन ट्रंप ने संकेत दिया है कि 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से आर्थिक संकट, अंतरराष्ट्रीय वैधता, आंतरिक कलह और प्रतिद्वंद्वी समूहों की ओर से चुनौती का सामना कर रहा तालिबान सैन्य अड्डे का नियंत्रण अमेरिका को लौटा सकता है।

तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद ने ट्रंप के बयानों को खारिज कर दिया और अमेरिका को वास्तविकता और तर्कसंगत नीति अपनाने की सलाह दी। मुजाहिद ने 'एक्स' पर लिखा कि अफगानिस्तान की विदेश नीति आर्थिक हितों पर केंद्रित है। उन्होंने सभी देशों से साझा हितों के आधार पर संबंध कायम करने का आग्रह किया।

अमेरिका के विरोध के बावजूद फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने की तैयारी में है ब्रिटेन

लंदन/एपी। अमेरिका के विरोध के बावजूद ब्रिटेन द्वारा फलस्तीन को राष्ट्र के रूप में रविवार को मान्यता दिए जाने की उम्मीद है। ब्रिटेन का मानना है कि इजराइल ने गाजा में युद्ध के संबंध में रखी गई शर्तों को पूरा नहीं किया है।

यद्यपि यह अपेक्षित कदम काफी हद तक प्रतीकात्मक है, ब्रिटेन को उम्मीद है कि इससे गाजा में संघर्ष को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक दबाव बढ़ सकता है, साथ ही दीर्घकालिक शांति का मार्ग प्रशस्त करने में भी मदद मिलेगी।

ब्रिटेन के उपप्रधानमंत्री डेविड लैमी ने कहा कि फलस्तीन राष्ट्र की मान्यता की घोषणा रविवार को प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर द्वारा की जाएगी। लैमी इस महीने की शुरुआत तक विदेश मंत्री थे। उन्होंने 'स्काई न्यूज' से कहा, फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देने का कोई भी फैसला, अगर आज बाद में लिया भी जाए, तो इससे रातोंरात फलस्तीन राष्ट्र नहीं बन जाता।

लैमी ने कहा कि मान्यता से द्वि-राष्ट्र समाधान की संभावना को जीवित रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी लोगों को हमास के साथ जोड़ना ग़लत है।

जुलाई में, अपनी लेबर पार्टी के भीतर दबाव के बीच, स्टारमर ने कहा था कि यदि इजराइल गाज़ा में संघर्षविराम के लिए सहमत नहीं होता, संयुक्त राष्ट्र को मानवीय सहायता पहुंचाने की अनुमति नहीं देता और दीर्घकालिक शांति की दिशा में अन्य कदम नहीं उठाता, तो ब्रिटेन फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देगा।

यह प्रत्याशित कदम इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से पहले आया है, जहां ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और फ्रांस सहित अन्य देश भी फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता देने की तैयारी कर रहे हैं।

इंसानियत को कभी नहीं भूलना शाहरुख की सबसे बेहतरीन बात : बॉबी देओल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की पहली सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' रिलीज हो चुकी है। इसमें बॉबी देओल एक सुपरस्टार अजय तलवार की भूमिका निभा रहे हैं। बॉबी देओल और शाहरुख खान की दोस्ती बहुत पुरानी है। सीरीज के प्रमोशन के दौरान बॉबी देओल ने आईएएनएस से अपनी 3 दशक पुरानी दोस्ती पर बात की। बॉबी देओल ने कहा, शाहरुख जिस तरह के इंसान हैं, यही वजह है कि आज वे इस मुकाम पर हैं। वह जमीन से जुड़े हुए हैं और परिवार को लेकर बहुत सजग रहते हैं। मुझे यकीन है कि बस एक ही बात उन्हें आगे बढ़ने में मदद करती है, वह यह कि वह अपने परिवार के लिए हमेशा मौजूद रहना चाहते हैं और मुझे लगता है कि हर माता-पिता में यही समानता होती है। हालांकि इन 30 सालों में हम कभी एक-दूसरे के ज्यादा संपर्क में नहीं रहे, लेकिन जब भी हम मिलते हैं तब ऐसा नहीं लगता कि हम लंबे समय बाद मिल रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, हर बार शाहरुख आपको बहुत खास महसूस कराते हैं। वह हमेशा आपको प्यार और स्नेह देते हैं और ये बहुत मायने रखता है। इसका बहुत मतलब है। वह हमेशा अपनी सीमा से हटकर काम करते हैं। वह सबसे अच्छे और दयालु इंसान हैं, भले ही वह इतने बड़े स्टार बन गए हों। बॉबी देओल कहते हैं, उन्होंने वह गुण नहीं खोया। मुझे लगता है कि यह बात शो में मेरे सह-कलाकारों समेत सभी को जो उनसे प्रेरणा लेते हैं, ध्यान में रखनी चाहिए कि अपनी इंसानियत कभी न खोएं। मुझे लगता है कि शाहरुख के बारे में यही अविश्वसनीय और बेहतरीन बात है।

इससे पहले बॉबी देओल ने कहा था कि इस सीरीज के लिए उन्होंने बिना स्क्रिप्ट पढ़े ही हां कर दिया था। लेकिन इसके निर्देशक आर्यन खान ने स्क्रिप्ट सुनने पर जोर दिया तो वह उनसे मिलने गए थे। यह मीटिंग 7 घंटे तक चली थी। इस दौरान उन्हें समय का पता ही नहीं चला। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है। आर्यन खान ने बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है।

सलमान खान ने कड़ाके की ठंड और चोटों के बावजूद, पूरा किया 'बैटल ऑफ गलवान' का पहला शेड्यूल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान कड़ाके की ठंड और चोटों के बावजूद अपनी आने वाली फिल्म बैटल ऑफ गलवान का पहला शेड्यूल पूरा किया। सलमान खान ने सिर्फ़ करोड़ों दिलों पर राज करते हैं बल्कि बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त परफॉर्मेंस दिखाने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में अब वह कई ब्लॉकबस्टर देने के बाद, अपनी अगली फिल्म बैटल ऑफ गलवान की तैयारी में पूरी तरह से जुटे हुए हैं। सलमान स्टारर यह फिल्म अपनी घोषणा के समय से ही सुर्खियों में बनी हुई है, ऐसे में अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है। सलमान खान ने फिल्म बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग 23 डिग्री तापमान में की और फिल्म का पहला और सबसे मुश्किल 45 दिन का लद्दाख शेड्यूल पूरा कर लिया, जिसमें वह 15 दिनों तक वहां मौजूद रहे। कम ऑक्सीजन लेवल और कई शारीरिक चोटों के बावजूद सलमान ने शूटिंग जारी रखी जिससे फिल्म की निरंतरता बनी रहे। अब दूसरा शेड्यूल एक हफ़्ते बाद शुरू होगा। इस दौरान सलमान खान अपनी चोटों से उबरने के लिए भी समय लेंगे।

अपूर्व लखिया के निर्देशन में बन रही फ़िल्म बैटल ऑफ गलवान , वर्ष 2020 की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई भयानक लड़ाई के समय में फिर से लेकर जाती है। उस समय सीमा पर हुआ यह एक दुर्लभ संघर्ष था, जिसमें सैनिकों ने बिना किसी हथियार के लड़ाई लड़ते हुए जान गंवाई थी। सैनिकों ने लाठी और पत्थरों से आमने-सामने की लड़ाई लड़ी थी, जिससे यह हाल के भारतीय इतिहास की सबसे ज़्यादा भावनात्मक कहानियों में से एक बनकर सामने आई।बैटल ऑफ गलवान में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में हैं।

'सिनेमा की रंगीन दुनिया में आपका स्वागत है', अहान पांडे को अनुपम खेर ने दी शुभकामनाएं

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की दुनिया में हर साल नए चेहरे कदम रखते हैं, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जो पहली ही फिल्म से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं। ऐसा ही नाम है अहान पांडे का, जिन्होंने फिल्म 'सैयारा' से धमाकेदार एंट्री की। इस फिल्म को देखने के बाद दर्शकों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज तक, सभी ने उनके अभिनय की सराहना की। अब खुद दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने भी सोशल मीडिया के जरिए अहान पांडे को शुभकामनाएं दी हैं। अनुपम खेर ने अहान के साथ एक प्यारी सी सेल्फी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसमें दोनों बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा, ''यहां कोई उम्र का अंतर नहीं! सिनेमा की इस रंगीन दुनिया में अहान का स्वागत है। इस रचनात्मक सफर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं! जय हो!''

अनुपम खेर के इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा। फैंस ने भी इस पर जमकर रिएक्शन दिए। किसी ने अहान को आने वाले समय का सुपरस्टार बताया, तो किसी ने अनुपम खेर की तारीफ करते हुए लिखा कि उनमें नई पीढ़ी को अपनाने की अद्भुत क्षमता है। बता दें कि फिल्म 'सैयारा' का निर्देशन मोहित सूरी ने किया है। फिल्म की कहानी कृष कपूर और वाणी बत्रा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने टूटे हुए रिश्तों से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। कृष, यानी अहान पांडे, एक ऐसा म्यूजिक कंपोजर है जो अपने जज्बातों को गानों में ढालता है। वहीं वाणी, यानी अनीत पड्डा, एक लेखिका है जो अपनी भावनाओं को कविताओं में पिरोती है। जब दोनों मिलते हैं, तो उनकी जिंदगी में नई उम्मीदें और एक अनकहा रिश्ता जन्म लेता है। फिल्म की कहानी में जहां रोमांस है, वहीं दर्द और संघर्ष भी है।

अहान और अनीत के अलावा, वरुण बडोला, राजेश कुमार और अलाम खान जैसे अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं। संगीत की बात करें तो 'सैयारा' का टाइटल ट्रैक पहले ही लोगों की जुबां पर चढ़ चुका है।

'जटाधारा' के अभिनेता सुधीर बाबू ने भगवान शिव की पेंटिंग के रूप में अपनी कलात्मक श्रद्धांजलि पेश की

मुंबई/एजेन्सी

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर लेकर आ रहे हैं बहुप्रतीक्षित महाकाव्यात्मक स्पेक्टेकल जटाधारा। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म अपने दमदार टीज़र और पोस्टर के लॉन्च के बाद से ही चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा किया है। इस बीच, लीड स्टार सुधीर बाबू ने सबको चौंकाते हुए अपनी छिपी कला प्रतिभा का प्रदर्शन कियाभगवान शिव की एक अद्भुत पेंटिंग बनाकर। अभिनेता ने इस कलाकृति का अनावरण फिल्म की रिलीज़ डेट 7 नवंबर 2025 के साथ किया। इस विशेष कदम ने फिल्म को लेकर रोमांच और भी बढ़ा दिया है। जटाधारा की आत्मा भगवान शिव की दिव्य प्रेरणा में निहित है, वे जो संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी, रूपांतरण की परम शक्ति। इसी भाव को प्रतीकात्मक रूप देने के लिए सुधीर बाबू ने स्वयं महादेव की एक शक्तिशाली पेंटिंग बनाई। गहरे नीले रंगों में गढ़ी गई यह कलाकृति भगवान शिव के ध्यानमग्न स्वरूप को दर्शाती है, जहाँ उनका पवित्र तीसरा नेत्र उनकी आंतरिक शक्ति और ब्रह्मांडीय ऊर्जा को प्रकट करता है।

यह पेंटिंग मात्र कला नहीं है; यह जटाधारा की आत्मा का प्रतिबिंब है। जैसे शिव स्वयं विनाश और पुनर्जन्म के प्रतीक हैं, वैसे ही यह फिल्म शक्ति, भक्ति और आत्मोन्नति की एक महाकथा बनने का वादा करती है। इस पेंटिंग के अनावरण के साथ सुधीर बाबू ने दर्शकों को उस कथा की झलक दी है, जहाँ दिव्य पौराणिकता और सिनेमाई भव्यता एक साथ आती हैं।

ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत जटाधारा का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है। फिल्म का सह-निर्माण अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा ने किया है, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भाविनी गोस्वामी हैं। फिल्म का दमदार साउंडस्केप ज़ी म्यूज़िक को ने सँभाला है। जटाधारा 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु में रिलीज़ होगी!

दीपिका पादुकोण ने 'किंग' की शूटिंग की शुरू की

मुंबई/एजेन्सी

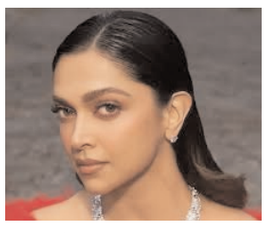

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग की शूटिंग की शुरू कर दी है। दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाला नोट लिखते हुए, शाहरुख खान के साथ अपनी अगली फिल्म किंग की शूटिंग शुरू करने की बात साझा की है। फिल्म ,किंग दीपिका और शाहरुख की छठी फिल्म है। इससे पहले दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं, जिसकी शुरुआत वर्ष 2007 में प्रदर्शित फिल्म ओम शांति ओम से हुई थी, जो दीपिका का डेब्यू भी था। दीपिका ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया। दीपिका ने ओम शांति ओम की शूटिंग को याद करते हुए बताया कि शाहरुख ने उन्हें एक सीख सिखाई थी, जिसे वह अब तक लिए गए हर फैसले में अपनाती आ रही हैं। शाहरुख और दीपिका ने वर्ष 2013 में रोमांटिक कॉमेडी चेन्नई एक्सप्रेस, वर्ष 2014 में हैप्पी न्यू ईयर और वर्ष 2023 में रिलीज़ हुई फिल्म पठान में भी साथ काम किया था। उनकी जोड़ी की आखिरी फिल्म जवान (2023) थी।

'द फैमिली मैन' सीजन 3 पर चल रहा काम : मनोज बाजपेयी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता मनोज बाजपेयी की मशहूर वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' को रिलीज हुए शनिवार को 6 साल पूरे हो गए। इस अवसर पर अभिनेता ने सीरीज से जुड़ी कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कीं। साथ ही मनोज ने तीसरे सीजन को लेकर भी एक महत्वपूर्ण अपडेट फैंस के साथ साझा की। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी ने इंस्टाग्राम पर शो के पहले भाग की कई तस्वीरें साझा की हैं। इन्हें शेयर करते हुए मनोज बाजपेयी ने कैप्शन में लिखा: द फैमिली मैन सीजन 1 को रिलीज हुए 6 साल हो गए हैं और यह एक कल्ट क्लासिक बन गया है। सीजन 3 का क्या? बस समझ लो ऑपरेशन जारी है।

इस सीरीज का पहला पार्ट 2018 में रिलीज हुआ था। यह एक स्पाई एक्शन-थ्रिलर स्ट्रीमिंग वेब सीरीज है। इसके निर्माता राज और डीके हैं। सीरीज में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का रोल प्ले किया है, जो एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति हैं और राष्ट्रीय जांच एजेंसी में काम करते हैं। वह इसमें थ्रेट एनालिसिस एंड सर्विलांस सेल (टीएएससी) के एक खुफिया एजेंट के रूप में लोगों को बहुत पसंद आए। पहले सीजन में प्रियामणि, शरद केलकर, नीरज माधव, शारिब हाशमी, दलीप ताहिल, सनी हिंदुजा और श्रेया धनवंतरी जैसे सितारे दिखाई दिए। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु को इस सीरीज के दूसरे सीजन में खलनायक की भूमिका में काफी पसंद किया गया।

दूसरे सीजन में श्रीकांत तिवारी टीएएससी छोड़कर परिवार के साथ रहने लगते हैं, लेकिन जैसे ही देश पर खतरा मंडराने लगता है, तो वह नौकरी छोड़ फिर से फोर्स में चले जाते हैं। अब इसके तीसरे सीजन का इंतजार दर्शकों को है। बताया जा रहा है कि इसे इस साल अक्टूबर के अंत तक रिलीज किया जा सकता है।

तीसरे सीजन में जयदीप अहलावत खलनायक की भूमिका में दिखाई देंगे। मनोज बाजपेयी को पिछली बार फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंडे' में देखा गया था। इसमें वे लीड रोल में थे। फिल्म में जिम सर्भ, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और भालचंद्र कदम जैसे कलाकार भी अहम किरदार में दिखाई दिए। इसी के साथ ही उनकी फिल्म 'जुगनुमा' हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म को राम रेड्डी ने डायरेक्ट किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 22-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

सम्यक समझ की चाबी से खुलता है अज्ञान का ताला : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में श्री कपिल मुनि जी म.सा. के सानिध्य व श्री जैन संघ गोपालपुरम के तत्वावधान में रविवार को संकटमोचक श्री उवसग्गहर स्तोत्र जप अनुष्ठान व रविवारीय विशेष प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पंच परमेष्ठि स्तुति के संगान से हुई।

इस मौके पर पूज्य श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने प्रवचन के दौरान कहा कि हर व्यक्ति के भीतर सुख शांति व आनंद का अपार भण्डार है उस पर अज्ञान का ताला लगा होने से व्यक्ति उसकी अनुभूति से वंचित बना हुआ है। ये अज्ञान का ताला स्वीकार्य भाव, सम्यक समझ की चाबी से ही खुलता है। हमारे जीवन में कदम कदम पर ऐसे निमित्त और प्रसंग उपस्थित होते रहते हैं जिनसे हमारे भाव प्रभावित हुए बगैर नहीं रहते ऐसी स्थिति में मन की प्रसन्नता को बरकरार रखना एक बहुत बड़ी चुनौती बन जाती है। मन के विपरीत घटित घटनाओं में भी सम्यक समझ, सकारात्मक दृष्टिकोण के सहारे दुःख को भी सुख में बदला जा सकता है।

गुरुदेवश्री ने जीवन में प्रेम कितना जरूरी और प्रेम का असली अर्थ बताते हुए कहा कि जैसे अस्थि विहीन कीट का जीवन सूर्य के ताप से विनष्ट हो जाता है वैसे ही प्रेम शून्य जीवन भी आधि, व्याधि व उपाधि के संताप से नष्ट हो जाता है ! जब आप वाकई किसी से प्रेम करते हैं तो आप अपना व्यक्तित्व, अपनी पसंद-नापसंद, अपना सब कुछ समर्पित करने के लिए तैयार होते हैं। जब प्रेम नहीं होता, तो लोग कठोर हो जाते हैं। जीवन को सरस बनाने के लिए प्राणी मात्र के प्रति प्रेम और मैत्री की मंगल कामना से अपने अन्तःकरण को सराबोर रखना बेहद जरूरी है। परस्पर प्रेम और संवाद की कमी होने पर जीवन भार बन जाता है। प्रेम एक अनुभूति है, जो दिमाग से नहीं दिल से होती है प्रेम किसी से कुछ पाना नहीं बल्कि अपने पास जो कुछ भी है उसे लुटाना जानता है ।

अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव आयोजन के तहत भगवान महावीर की अन्तिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन और विवेचन 25 सितम्बर से प्रतिदिन सवेरे 8.30 बजे से 10.15 बजे तक नियमित रूप से होगा। धर्मसभा का संचालन मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

व्यक्तित्व निर्माण में लेश्या सिद्धांत उपयोगी : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य हस्ती के विद्वान् शिष्य प्रमोदमुनि एवं साध्वी पद्मप्रभा के सान्निध्य में मुम्बई में 21 सितम्बर को तीन दिवसीय बारहवीं राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी संपन्न हुई। सम्यक ज्ञान प्रचारक मंडल, जयपुर एवं श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, वालकेश्वर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस संगोष्ठी में साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने स्थानांग, प्रज्ञापना और उत्तराध्ययन सूत्र में वर्णित लेश्या सिद्धांत के वैज्ञानिक पक्ष पर अपने शोधालेख की प्रस्तुति के साथ व्याख्यान दिया।

डॉ. धींग ने कहा कि भाव का द्रव्य पर और द्रव्य का भाव पर प्रभाव होता है। इसलिए द्रव्य और भाव, दोनों को शुभ रखना आवश्यक है। जैन दर्शन का लेश्या सिद्धांत व्यक्ति की भावधारा और मन की तरंगों का गहरा विश्लेषण करता है। यह सिद्धांत व्यक्तित्व रूपांतरण की वैज्ञानिक विधि का प्रतिपादन करता है।

प्रमोद मुनि ने डॉ. धींग की शोधपूर्ण व बोधपूर्ण प्रस्तुति की सराहना की। उन्होंने बताया कि 1978 में आचार्य हस्ती की प्रेरणा से इंदौर में फकीरचंद मेहता की अध्यक्षता और डॉ. नरेन्द्र भानावत के संयोजन में विद्वत परिषद का शुभारंभ हुआ था। आनंदमुनि, साध्वी विरक्ताश्री, विदेहश्री और ज्योतिप्रभा ने भी सम्बोधित किया। डॉ. धींग ने एक सत्र का संयोजन करते हुए स्पष्ट किया कि तिरुवल्लुवर और कुंदकुंद जैन संस्कृति दो अलग-अलग महापुरुष थे। संयोजक डॉ. धर्मचंद जैन ने संगोष्ठी का उद्देश्य व महत्व बताया।

भारतीय विद्या भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष मोफतराज मुणोत, चातुर्मास संयोजक नरेन्द्र हीरावत और श्राविका संघ की अध्यक्ष कविता जैन ने डॉ. दिलीप धींग का सम्मान किया।

डॉ. अरिहंत कुमार जैन ने डॉ. धींग का परिचय दिया। सम्यक ज्ञान प्रचारक मंडल के कार्याध्यक्ष गौतमचंद जैन ने आभार ज्ञापित किया। इंद्र जैन ने संचालन किया। संगोष्ठी में डॉ. जितेन्द्र बी. शाह, डॉ. प्रियदर्शना जैन, मनीष मोदी, डॉ. बिपिन दोशी, डॉ. अनेकांत, डॉ. जीवराज, डॉ. तृप्ति, प्राचार्य प्रकाशचंद्र, पवन जैन सहित देशभर से पधारे अनेक विद्वानों ने भाग लिया।

'छः भावना से भावित मन ही मोक्ष मार्ग के द्वार तक पहुंचता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन के प्रांगण में विराजित पंन्यास प्रवर विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने रविवार को 'समकित के 67 बोल' ग्रंथ के आधार पर सम्यकत्व की छः भावना की गूढ़ विवेचना प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं को जीवन के मूल्यों की गहराई से अवगत कराया। उन्होंने कहा, मन को जो भावित करे, वही भावना है। गुरुदेव ने समझाया कि संयम का अर्थ है स्वीकार। वस्तु और पुद्गलों पर चढ़ी मोह मूर्छा छोड़ना ही सच्चा संयम है। शस्त्र और शास्त्र का अंतर बताते हुए गुरुदेव ने कहा, शस्त्र और शास्त्र में बस एक रेखा का फर्क है। उपयोग सही हो तो शस्त्र भी शास्त्र बन सकता है और शास्त्र भी शस्त्र। सम्यक दर्शन धीरे-धीरे आत्मा को ऊपर उठाता है। शरीर स्वस्थ है तो आत्मरक्षा, संयम और आहार नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने कहा, व्यक्ति गलत नहीं है, मोह गलत है।

उन्होंने बताया कि सर्वश्रेष्ठ दर्शन, आत्मा का कर्मबंधन से मुक्त होकर शुद्ध स्वरूप में स्थित होना है। सर्वश्रेष्ठ ज्ञान केवलज्ञान है, जो चार घातीय कर्मों के क्षय से प्रकट होता है। सर्वश्रेष्ठ चारित्र करुणा, निष्ठा, जिम्मेदारी और लोककल्याणकारी भावना से उत्पन्न होता है। सर्वश्रेष्ठ तप संलेखना है, जो मोक्ष का द्वार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सम्यकत्व सब गुणों का भण्डार है, जिस पर मोह का प्रभाव नहीं होता। सम्यकत्व पृथ्वी के समान संयम और शांति का आधार है। सम्यकत्व रूपी पात्र से श्रुतज्ञान और चारित्र का रस बाहर नहीं गिरता। सम्यकत्व धर्म का पात्र है, जिससे चारित्र टिकता है। सबसे बड़ा अमृत संवर है, जो पापों को रोकता है। गुरुदेव ने कहा, अमर बनना है तो संवर का अमृत पियो। जब संवर का द्वार खुलता है तो पाप का मार्ग बंद हो जाता है। सम्यकत्व की भावना को भावित करो और मोक्ष की ओर अग्रसर बनो।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में शनिवार को शाम कोयम्बटूर जिला भाजपा की ओर से नरेन्द्र मोदी के75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में 'उद्योग जगत की मोदी की बेटी' समारोह में महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी, भाजपा प्रभारी अरविंद मेनन, भाजपा राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष एवं विधायक वनाती श्रीनिवासन, तमिलनाडु भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री नैनार नागेंद्रन, तेलंगाना और पुडुचेरी के पूर्व राज्यपाल रही भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन, प्रदेश कोषाध्यक्ष एसआर शेखर, प्रदेश उपाध्यक्ष पीके एसपति, एपी मुरुगंधम सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

मेरिडियन अस्पताल ने कार्डियक साइंसेज विभाग का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मेरिडियन हॉस्पिटल ने माधावरम में 300 बिस्तरों वाले चतुर्थक देखभाल केंद्र जो एक ही छत के नीचे स्वास्थ्य सेवा के पूरे स्पेक्ट्रम की पेशकश के लिए प्रसिद्ध है ने मेरिडियन कार्डियक साइंसेज विभाग का उद्घाटन किया है यह उत्तरी चेन्नई में पहला और सबसे व्यापक कार्डियक केयर सेंटर है। उद्घाटन समारोह के अवसर पर तमिलनाडु के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मा. सुब्रमण्यन ने उत्तर चेन्नई के लोगों को इस अत्याधुनिक हृदय रोग सुविधा को आधिकारिक रूप से समर्पित किया। इस समारोह में सांसद डॉ. कलानिधि वीरासामी, विधायक सुदर्शनम और रूबी मनोहरन, विधायक सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहें।

मेरिडियन अस्पताल लंबे समय से उत्तर चेन्नई में समग्र स्वास्थ्य सेवा में अग्रणी रहा है। यह इस क्षेत्र का पहला अस्पताल है जिसने रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग स्थापित किया है और व्यापक कैंसर देखभाल में एक मानक स्थापित किया। आज यह उत्तरी चेन्नई का एकमात्र अस्पताल है जो एक ही छत के नीचे स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञताओं की पूरी श्रृंखला प्रदान करता है – कार्डियोलॉजी और कार्डियोथोरेसिक सर्जरी से लेकर मेडिकल, सर्जिकल और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी, जनरल मेडिसिन और गायनोकोलॉजी तक। उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए, मेरिडियन अस्पताल के प्रवक्ता ने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य हमेशा यह सुनिश्चित करना रहा है कि उत्तरी चेन्नई के लोगों को किसी भी बड़े महानगर के समान स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो। मेरिडियन कार्डियक साइंसेज विभाग के साथ, हम एक लंबे समय से चली आ रही कमी को पूरा करेंगे और अपने समुदाय को व्यापक, जीवनरक्षक हृदय देखभाल प्रदान करने में सक्षम होंगे यह न केवल मेरिडियन अस्पताल के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है।

दधिमति सेवा धाम में नवरात्रि महोत्सव आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माँ दधिमती सेवा धाम के तत्वावधान में साहुकारपेट के मनगप्पन स्ट्रीट स्थित दाहिमा भवन में शारदीय नवरात्रि महोत्सव 22 से30 सितम्बर तक मनाया जाएगा। इस दौरान मंदिर में नित्य अभिषेक सुबह 7 बजे, श्रृंगार आरती 8.30 बजे, पुष्प अर्चना 9.30 बजे, संध्या आरती सायं 7 बजे, भजन कार्यक्रम रात्रि 8 से10 बजे तक होंगे। उसके उपरांत शयन आरती होगी।

प्रतिदिन शाम के समय भजन सत्संग होगा। 22 सितम्बर को दधिमति महिला मंडल द्वारा, 23 सितम्बर को अमृतवाणी सत्संग मंडल द्वारा, 24 सितम्बर को राधाकृपा मंडल द्वारा,25 सितम्बर को जीण सखी मंडल द्वारा, 26 सितम्बर को एकादशी भजन मंडल द्वारा, 27 सितम्बर को सुंदरकाण्ड समिति द्वारा सुन्दरकांड का पाठ, 28 सितम्बर को सूर्य महिला मंडल द्वारा भजन सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। वहीं 29 सितम्बर सप्तमी के दिन अखंड जागरण रात्रि 8 बजे से होगा। 30 सितम्बर को सुबह 11 बजेपूजा हवन एवं कन्या पूजन का आयोजन होगा। उसी दिन सायं 6 बजे से दधिमति महिला मंडल द्वारा मां दधिमति मंगल पाठ के उपरांत गरबा रास कार्यक्रम महिलाओं और बच्चों के लिए आयोजित किया गया है।

धाम के नवरात्रि समिति के अध्यक्ष विनोद व्यास एवं मंत्री नारायण दाहिमा ने सभी श्रद्धालओं को नवरात्रि में मां के दरबार में हाजरी लगा कर मां का आशीर्वाद प्राप्त करने का अनुरोध किया है।

गणगौर द्वारा नि:शुल्क कैंसर जांच शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु की महिला विंग गणगौर द्वारा श्री जैन मेडिकल रिलीफ सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क कैंसर जांच शिविर् 20 सितम्बर को गुडापाक्कम स्थित महावीर राजस्थानी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया गया। रजत प्रार्थना के पश्चात गणगौर की अध्यक्ष ममता अग्रवाल ने पधारे सभी का स्वागत किया और बताया कि 35 वर्ष की आयु से ऊपर विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए और कहा कि आप स्वस्थ रहेंगे तो आप अधिक शक्तिशाली और ऊर्जावान के साथ-साथ करुणामय हृदय से अधिक कार्य कर पाएंगे। जैन मेडिकल के अधिकारी तमिलमणी ने कैंसर शिविर के बारे में जानकारी दी। संयोजक अजय नाहर व सहसंयोजक ज्ञानचंद कोठारी ने स्कूल के प्रिंसिपल राजा दयानंद व तमिलमणी का साल से स्वागत किया। शिविर में 50 महिलाओं की वीएस हॉस्पिटल्स व एंडरसन की टीम ने गर्भाशय ग्रीवा की जांच की व ओरल जांच जैन मेडिकल की पेरंबूर यूनिट के चिकित्सकों ने की। सह संयोजक ज्ञानचंद कोठारी ने विद्यालय प्रबंधन समिति, चिकित्सकीय टीम व उपस्थित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का पुणिता खेमका ने संचालन किया। शिविर में जैन मेडिकल के अध्यक्ष अशोक मेहता व गौतमचंद नाहर उपस्थित रहे। गणगौर से अध्यक्ष ममता अग्रवाल, शील्की गुप्ता, पुणिता खेमका ने सेवांए प्रदान की।

मिलना बड़ी बात नहीं, मिलकर संभालना बड़ी बात है : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा के सानिध्य में रविवार को 'उवसग्गहर स्तोत्र' आराधना का 11वां दिवस मनाया गया। आगे प्रवचन मे मुनिश्री ने कहा कि अच्छे खानदान में जन्म लेकर, अच्छे गुरु को पाकर, अच्छी वाणी और अच्छे संस्कारों को पाकर भी यदि जीवन में दुर्गति हो रही है तो इसका कारण बाहरी परिस्थितियाँ नहीं बल्कि हमारी अपनी करणी है। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक नहीं कि केवल हिंसक या अधर्मी कुल में जन्म लेने वाले की ही दुर्गति हो, बल्कि अच्छे घराने, अच्छे गुरु, अच्छे संस्कार और धर्म को पाकर भी यदि व्यक्ति गलत कार्य करता है तो वह भी पतन की ओर बढ़ता है। मुनिश्री ने समझाया-हम अक्सर कहते हैं कि धर्म की कृपा हम पर क्यों नहीं बरसती, गुरु की कृपा क्यों नहीं होती, भगवान की कृपा क्यों नहीं होती। इसका कारण यह है कि जिन कार्यों का लाइसेंस हमें हमारे धर्म ने, हमारे संस्कारों ने और हमारे कर्मों ने नहीं दिया, उन्हीं कार्यों को हम करते हैं। जैसे बिना लाइसेंस की दुकान खोलने वाला व्यापारी हमेशा डर में रहता है, वैसे ही धर्म और गुरु का सौभाग्य पाकर भी यदि हम गलत कार्य करें तो वह सौभाग्य धीरे-धीरे दुर्भाग्य में बदल जाता है।

मुनिश्री ने कहा कि जब अच्छे कर्मों के कारण हमें धर्म, गुरु और भगवान का सानिध्य प्राप्त होता है तो हमें गलत कामों से बचना चाहिए। जिस दिन हमें अपने धर्म और गुरु पर गर्व होगा, उसी दिन हम गलत रास्तों पर जाने से बच जाएंगे। उन्होंने बताया कि विदेशी लोग भारत में अधिक रहते हैं या भारतवासी विदेश में? इसका उत्तर इस बात पर निर्भर करता है कि किसके भीतर भारत माता के प्रति गर्व है। जिसे अपने देश पर गर्व होगा वह कभी इसे छोड़कर नहीं जाएगा। भारत जब तक 'सोने की चिड़िया' कहलाता था, तब तक लोगों की सोच यही थी कि सूखी रोटी भी खाऊँगा लेकिन भारत में रहूँगा। यही सोच भारत की समृद्धि का कारण थी। इसी प्रकार जिसे अपने धर्म और अपने संस्कारों पर गर्व है, वह कभी उन्हें त्यागकर बाहर नहीं जाएगा। मुनिश्री ने आगे कहा कि हमारे 24 तीर्थंकरों ने भारत में ही जन्म लिया, दीक्षा ली और सिद्धि प्राप्त की क्योंकि उन्हें अपनी मातृभूमि, अपनी माटी और अपने धर्म पर गर्व था। आज यदि हम इतने अच्छे गुरु, भगवान और संस्कार पाकर भी गलत कर रहे हैं तो यह समझ लेना चाहिए कि हम अपने धर्म के साथ छल कर रहे हैं। धर्म के साथ गद्दारी करना अपने ही सौभाग्य के द्वार बंद करना है। उन्होंने चेताया-जहाँ लोभ होगा वहाँ राग होगा और जहाँ राग होगा वहाँ द्वेष जन्म लेगा। द्वेष को समाप्त करना है तो ममत्व वोसीरामी' का अभ्यास करना होगा। यह एक गहन साधना है। न्यायालयों में चल रहे अनेक मुकदमे केवल राग-द्वेष के कारण चलते हैं। यदि मनुष्य ममत्व ''वोसीरामी' मंत्र की आराधना करे तो ऐसे मुकदमे समाप्त हो सकते हैं। प्रवचन के अंत में मुनिजी ने कहा कि मिलना बड़ी बात नहीं है, बल्कि मिलने के बाद उसे संभालकर रखना ही सबसे बड़ी बात है। नवरात्रि पर 22 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक नौ दिनों तक विशेष नवरात्रि जाप का आयोजन होगा, जो प्रतिदिन रात्रि 8:15 से 9:15 बजे तक संपन्न होगा।

तमिलनाडु भाजपा प्रमुख ने पन्नीरसेल्वम व दिनाकरण को राजग में वापस लाने पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने रविवार को यहां अन्नाद्रमुक महासचिव ई. के. पलानीस्वामी से मुलाकात की और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम और एएमएमके को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापस लाने की संभावना पर कोई प्रतिबद्धता जताने से इनकार कर दिया।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख के साथ बैठक को ''शिष्टाचार भेंट'' बताया और उनके साथ राजनीति पर चर्चा करने से इनकार किया। पत्रकारों ने नागेंद्रन से पूछा कि पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक नेता एस. रामदास का गुट कथित तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने का समय मांग रहा है और आरोप लग रहे हैं कि भाजपा अन्य दलों के अंदरूनी मामलों में दखल दे रही है।

इस पर नागेंद्रन ने कहा, भाजपा किसी भी राजनीतिक दल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री पन्नीरसेल्वम और टीटीवी दिनाकरण की अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) को राजग में शामिल करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर भाजपा नेता ने कहा, आपको उनसे ही पूछना चाहिए, क्योंकि वे ही गठबंधन से अलग हुए हैं। पन्नीरसेल्वम और एएमएमके ने हाल में राजग से नाता तोड़ लिया है। इससे पहले नागेंद्रन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए यहां ओमालुर में एक मैराथन कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.